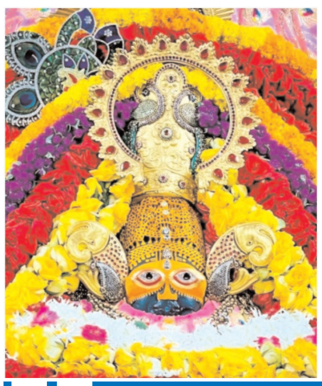

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:03। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 29 अगस्त 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नेपाल में बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता

चीन की सीमा पर फंसे 400 सुरक्षितः विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता हैं, जबकि चीन की सीमा पर फंसे 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि त्रिशुली-वन जलविद्युत परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय नागरिकों सहित 84 भारतीय नागरिकों को अब तक बचाया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि चीन की सीमा पर फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं। नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति के बारे में जायसवाल ने कहा कि पहली अच्छी खबर! बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से कल काठमांडू पहुंचे 21 भारतीय नागरिक

आज दिल्ली पहुंच गए हैं। कल हमारे राजदूत ने काठमांडू में उनसे मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। उन्होंने आगे कहा कि इन 21 और 63 के अलावा, हमें पता चला है कि चीन की सीमा में फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं और उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। जैसे ही हमें उनके बारे में और जानकारी मिलेगी, हम आपको सूचित करेंगे। जायसवाल ने बताया कि भारतीय मूल के लगभग 100 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। जिन लोगों से हम संपर्क नहीं कर पा रहे हैं या जो लापता हैं, उनकी संख्या इस समय 320 है। लेकिन कृपया ध्यान रखें कि स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए संख्याएं घटती-बढ़ती रहती हैं। साथ ही, हमें कई सूचियों का मिलान करना है। भारतीय मूल के लगभग 100 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। ये वे लोग हैं जो भारतीय मूल के हैं और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए हो सकते हैं, लेकिन उनके पास अन्य राष्ट्रीयताएं हैं। विदेश मंत्रालय का हमारा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है, जैसा कि काठमांडू और बीजिंग स्थित हमारे दूतावासों के नियंत्रण कक्ष भी कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चीन की सीमा पर मौजूद 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और अपने परिवारों से संपर्क करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि चीन में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर चीनी सीमा पर फंसे 400 लोगों को निकालने के लिए काम कर रहा है।

नेपाल की जल त्रासदी पर मोरारी बापू ने जताया शोक, राहत के लिए 51 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

पीएम फंड में 11 लाख और नेपाल प्रधानमंत्री राहत कोष में 40 लाख रुपये दिए जाएंगे

अहमदाबाद(एजेंसी)। नेपाल में हाल ही में आई भीषण जल त्रासदी से कथाकार मोरारी बापू व्यथित हैं। उन्होंने आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 51 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है। मोरारी बापू ने नेपाल में आई भयावह प्राकृतिक आपदा पर दुख जताते हुए हनुमंत प्रसाद के रूप में 51 लाख रुपये की सहायता अर्पित करने का निर्णय लिया है। इसमें से 11 लाख रुपये चित्रकूट धाम तलगाजरडा के माध्यम से भारतीय प्रधानमंत्री राहत कोष में दिए जाएंगे, जबकि 40 लाख रुपये नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराए जाएंगे। बताया गया है कि इस सहायता राशि की वित्तीय सेवा मुंबई स्थित रामकथा के एक श्रोता द्वारा की जाएगी। इस पहल के जरिए नेपाल में आपदा से प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने और संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़े होने का संदेश दिया गया है। मोरारी बापू ने भारत समेत विश्व के विभिन्न देशों के नागरिकों के लिए हनुमानजी के चरणों में प्रार्थना की। उन्होंने जल त्रासदी में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

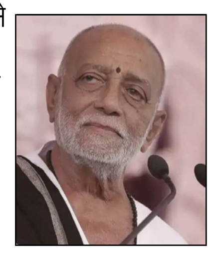

बिलासपुर एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

लैंडिंग के दौरान फटा एलायंस एयर विमान का टायर, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली से बिलासपुर पहुंची एलायंस एयर की फ्लाइट 9आई613 का लैंडिंग के दौरान टायर फट गया, जिससे कुछ देर के लिए विमान में सवार यात्रियों के बीच घबराहट का माहौल बन गया। हालांकि पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एलायंस एयर का विमान दिल्ली से उड़ान भरने के बाद बिलासपुर हवाई अड्डे पर उतर रहा था। जैसे ही विमान के पहियों ने रनवे को छुआ, उसी दौरान उसके बाईं ओर का एक टायर अचानक फट गया। टायर फटने के साथ जोरदार झटका महसूस हुआ, जिससे विमान में मौजूद यात्री घबरा गए। घटना के समय विमान में कुल 41 लोग मौजूद थे, जिनमें 37 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य शामिल थे। टायर फटने के बावजूद पायलट ने विमान पर नियंत्रण बनाए रखा और उसे सुरक्षित रूप से रनवे पर रोका। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित विमान से बाहर निकालकर बसों के माध्यम से टर्मिनल भवन तक पहुंचाया गया।

रक्षाबंधन पर बच्चों के बीच घुले-मिले मोदी

छोटी बच्चियों से बोले- 'महाकाल का प्रसाद मेरे लिए भी लाना'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर स्कूली बच्चों के साथ त्योहार मनाया। इस दौरान छोटी बच्चियों ने प्रधानमंत्री की कलाई पर राखी बांधी, कविताएं सुनाईं और उनसे दिलचस्प सवाल पूछे। पीएम मोदी ने भी बच्चों के साथ हंसी-मजाक किया, उन्हें आशीर्वाद दिया और उनकी बातों का आत्मीयता से जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने रक्षाबंधन समारोह का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में पीएम मोदी बच्चों से गर्मजोशी से मिलते, हाई-फाइव करते और उनसे बातचीत करते नजर आए। एक बच्ची ने उन्हें कमल के आकार की राखी बांधते हुए बताया कि यह 'लोटस वाली राखी' है। इस पर प्रधानमंत्री मुस्कुराते हुए बोले, 'लोटस?' एक बच्ची ने कविता सुनाते हुए कहा कि जब-जब वह टूटी और बिखरी, तब-तब भाई ने उसे संभाला। कविता सुनने के बाद

प्रधानमंत्री ने बच्ची की तारीफ की और उसे आशीर्वाद दिया। बातचीत के दौरान एक बच्ची ने प्रधानमंत्री को 'हैप्पी बर्थडे' बोला, तो पीएम मोदी ने पूछा कि उनका जन्मदिन कब है। बच्ची ने खुद जवाब देते हुए कहा, '17 सितंबर।' इस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि अच्छा 'हैप्पी बर्थडे एडवांस में।'

एक अन्य बच्ची ने पर्यावरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित विशेष राखी भेंट की। उसने कहा कि उनका स्कूल प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाता है और वह वादा करती है कि 'सबके लिए एआई' की भावना के साथ वह एआई को जिम्मेदारी से सीखेगी और लोगों की मदद के लिए इस्तेमाल करेगी। प्रधानमंत्री ने उसकी बात सुनकर कहा, 'शाबाश!'

कांग्रेस के लोग ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं करते - शिवराज सिंह चौहान

'हमारा देश पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है'

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान

एजेंसी

अमृतसर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्हें सम्मानित भी किया गया। स्वर्ण मंदिर में दर्शन के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'आज मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे गुरु के चरणों में झुकने का अवसर मिला। मेरा मन असीम ऊर्जा, उत्साह और जोश से भर गया है। यहां कोई छोटा या बड़ा नहीं है। हम सब एक ही पिता के बच्चे हैं, सिर्फ 'एक ओंकार' है, जो आपसी मित्रता और सद्भाव पैदा करता है।' अमृतसर दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों ने उमरा नांगल गांव में किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा देश पीएम मोदी के नेतृत्व में

आगे बढ़ रहा है। महिला आरक्षण और कांग्रेस पर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस क्या करेगी? उनके पास कुछ बचा ही नहीं है। वे झूठे आरोप लगाने की प्रवृत्ति रखते हैं, लेकिन कांग्रेस के लोग ही राहुल गांधी पर भरोसा नहीं करते। तो मल्लिकार्जुन खड़गे क्या करेंगे?' उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब महिला आरक्षण को लेकर सियासत तेज है। शिवराज सिंह चौहान ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ आरोप लगाती है, जबकि जनता का भरोसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर है।

मप्र में कूनो के जंगल से 21 दिन से लापता मादा चीता निर्वा सुरक्षित मिली, बाड़े में लाई गई वापस

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो राष्ट्रीय उद्यान से करीब 21 दिन पहले लापता हुई दक्षिण अफ्रीकी से लाई गई मादा चीता निर्वा आखिरकार सुरक्षित मिल गई। उसका सैटेलाइट कॉलर काम नहीं कर रहा था, जिस कारण सिग्नल मिलना बंद हो गया था। लंबी तलाश के बाद टीम ने निर्वा का पता लगाया और शुक्रवार को उसे सुरक्षित वापस बाड़े में छोड़ा गया। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र निदेशक उत्तम कुमार शर्मा ने शुक्रवार को चीता प्रोजेक्ट की उपलब्धियों को एक्स पर साझा करते हुए निर्वा की तलाश को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि कॉलर से सिग्नल नहीं मिलने के बावजूद टीम ने लगातार प्रयास जारी रखे। करीब 21 दिन तक उसकी लोकेशन की पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी थी।

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित लड़कियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीजसे पीड़ित लड़कियों के साथ रक्षाबंधन मनाया। इस मौके पर लड़कियों ने उन्हें राखी बांधी। गृह मंत्री अमित शाह ने लड़कियों को रक्षाबंधन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीरें भी शेयर कीं। अमित शाह ने लिखा, 'आज अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया।

भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गयाः दत्तात्रेय होसबाले

वाराणसी में रक्षाबन्धन पर आरएसएस के सरकार्यवाह का संबोधन

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संघ में अपरिचित को परिचित एवं परिचित को मित्र बनाने की परम्परा रही है। स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुता इन तीनों अवधारणाओं को विश्व के अनेक देशों ने अलग-अलग रूपों में स्वीकार किया। ऐसे राष्ट्र जहां केवल स्वतंत्रता को महत्व दिया गया वहां स्वच्छंदता व्याप्त हो गयी। जबकि सोवियत रूस जैसे देश ने समानता को वरीयता दी, यह विचार भी टिक नहीं पाया। भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गया है। सरकार्यवाह शुक्रवार को यहां संघ के काशी मध्य तिलक नगर में आयोजित रक्षाबन्धन उत्सव को सम्बोधित

कर रहे थे। सिगरा स्थित डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बतौर मुख्य वक्ता सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने योग वशिष्ठ के एक श्लोक का उल्लेख कर कहा कि ऐसे लोग जो हमारे बन्धु नहीं हैं, उनसे प्रतिदिन मिलने से निकटता बढ़ती है और वह हमारे बन्धु बन जाते हैं। जबकि निकटता के अभ्यास को छोड़ने से बन्धुता का स्नेह बन्धन छूट जाता है। उपस्थित स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति को सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए सरकार्यवाह ने कहा कि हमारी एकता एवं एकात्मता विश्व बन्धुता के संरक्षण और संवर्धन का आधार है। न्यायोचित मार्ग पर चलते हुए बन्धुता को आधार बनाकर स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करने के लिए भारत ने सामाजिक समरसता को अंगीकार किया है।

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत

समझौते पर हस्ताक्षर किये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी राजदूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, अमेरिका, अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है। यह उपलब्धि अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच स्थायी साझेदारी को दर्शाती है और अमेरिकी तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है। समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जैवलिन प्रणाली का उत्पादन जैवलिन संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाता है, जो आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन की साझीदारी है। इससे पहले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की कि भारत युद्ध में परखी जा चुकी एफजीएम-148 जैवलिन टैंक-रोधी मिसाइल प्रणाली को अमेरिका से खरीदने जा रहा है। उन्होंने इसे अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में बड़ी प्रगति बताया। गोर ने एक्स पर लिखा, 'बड़ी खबर! भारत ने युद्ध में परखी जा चुकी जैवलिन एंटी-टैंक प्रणाली खरीदने की योजना बनाई है।

भारतीय वायु सेना ने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई

नेपाल आपदा के कुछ ही घंटों बाद भारत ने एनडीआरएफ की मदद से ऑपरेशन लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने से विनाशकारी सैलाब के कारण मची तबाही से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना राहत और बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभा रही है। आपदा के कुछ ही घंटों बाद वायु सेना ने सी-130जे विमान के जरिए 10 टन आवश्यक राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई, जिसमें दवाइयां, अस्थायी शेल्टर, कंबल और हाइजीन किट शामिल थीं। दूसरी खेप लेकर वायु सेना के सी -17 ग्लोबमास्टर विमान ने 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री (खाद्य पैकेट और जरूरी दवाइयां) लेकर काठमांडू के लिए उड़ान भरी। भारत अब तक कुल 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। वायु सेना ने नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण राहत कार्यों के लिए अपने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट फ्लीट को स्टैंडबाय पर रखा है। इसमें सी-17, सी-130जे और

सी-295 विमान हैं। एक सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट आज देर शाम तक राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए उड़ान भरेगा। वायु सेना के एमआई-17 हेलीकाप्टर भी नेपाली लोगों की मदद के लिए चौबीसों घंटे उड़ान भर रहे हैं। राहत सामग्री लेकर नेपाल जाने वाले विमानों का संचालन वायु सेना के हिंडन स्टेशन से किया जा रहा है। स्टेशन के एओसी एयर कमोडोर आर डोभाल ने कहा कि हम ऐसी इमरजेंसी के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसलिए हमने तुरंत एक सी-130जे हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट तैयार किया। हमने उसमें राहत का सामान, दवाइयां और जनरेटर लोड किए। यह काम सिविल अधिकारियों और एनडीआरएफ की मदद से पूरा करके ऑपरेशन लॉन्च किया। विमान ने रात करीब 8.30 बजे उड़ान भरी और दो घंटे के अंदर नेपाल में लैंड करके करीब 10 टन सामान पहुंचाया।इसी दूसरी फ्लाइट में सी-17 से बाढ़ से तबाह नेपाल के लिए 37.5 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री, दवाइयां और खाने के पैकेट पहुंचाए।

बंदी भाइयों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। रक्षाबंधन के अवसर पर नडियाद जिला जेल में भावुक माहौल देखने को मिला। जेल में बंद सजा काट रहे और विचाराधीन बंदियों से मिलने उनकी बहनें पहुंचीं और भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। लंबे समय बाद बहनों से मिलकर कई बंदी भाई भावुक हो गए। बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र और जल्द रिहाई की प्रार्थना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। अपर पुलिस महानिदेशक (जेल) डॉ. के.एल.एन. राव के मार्गदर्शन में जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की थी। सुरक्षा नियमों के बीच बहनों को भाइयों से मिलने और राखी बांधने का अवसर दिया गया। महिला बंदियों को भी अपने सगे भाइयों से मिलकर राखी बांधने की सुविधा दी गई। कार्यक्रम के दौरान जेल का माहौल कुछ समय के लिए पारिवारिक स्नेह और भावनाओं से भर गया।

पेथापुर की सिद्धिविनायक सोसायटी में कुत्तों से क्रूरता का आरोप, पशुप्रेमियों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पेथापुर क्षेत्र की सिद्धिविनायक सोसायटी में कुत्तों के साथ कथित क्रूरता का मामला सामने आने से विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि सोसायटी के पदाधिकारियों और कुछ सदस्यों की ओर से सुरक्षा गार्ड को परिसर में कोई भी कुत्ता दिखाई देने पर उसे मारकर भगाने के निर्देश दिए गए। इस कथित फरमान की जानकारी सामने आने के बाद पशुप्रेमियों और स्थानीय नागरिकों में नाराजगी फैल गई है। पशुप्रेमियों का कहना है कि यदि सोसायटी के पदाधिकारियों की ओर से वास्तव में जानवरों को मारने या चोट पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं, तो यह गंभीर मामला है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करने और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

'स्किन केयर जेल' की फर्जी बिल्टी के नीचे छिपी थी विदेशी शराब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट पीसीबी ने दिल्ली से जामनगर ले जाई जा रही विदेशी शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए शराब को 'स्किन केयर जेल' बताकर फर्जी बिल्टी तैयार की थी। वाहन की जांच में बक्सों से विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब, वाहन और दस्तावेज जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब दिल्ली से जामनगर तक जुड़े शराब तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

कच्छ के आदिपुर में नकली शराब की फैक्ट्री का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम-आदिपुर। कच्छ के आदिपुर क्षेत्र में बॉर्डर रेंज आईजी चिराग कोरडिया की टीम ने नकली शराब तैयार करने वाली कथित फैक्ट्री पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की। पुलिस ने मौके से करीब 600 लीटर संदिग्ध केमिकल, 10 हजार खाली बोतलें और 'रॉयल चैलेंज' ब्रांड के लेबल लगी करीब 600 पैक बोतलें बरामद कीं। इसके अलावा बॉटलिंग मशीनरी, पैकिंग सामग्री और नकली ब्रांडिंग भी मिली। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध केमिकल और स्पिरिट से नकली शराब तैयार कर नामी ब्रांड के नाम पर बेचने की आशंका है। पुलिस अब कच्छ से बाहर तक फैले नेटवर्क, सप्लायर और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अहमदाबाद में नकली कॉस्मेटिक्स और दवाओं के कारोबार पर FDCA की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ गुजरात सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत FDCA ने बड़ी कार्रवाई की है। त्रागड़ के शिवांता रीगल स्थित एक फ्लैट में 'आनकी हर्बल' फर्म द्वारा बिना लाइसेंस कॉस्मेटिक्स का उत्पादन और रीपैकिंग की जा रही थी। यहां ग्लिसरीन साबुन, फेयरनेस क्रीम, शैंपू, हेयर ऑयल, बॉडी वॉश और अन्य उत्पाद तैयार किए जा रहे थे। कच्चा माल ओढ़व की 'रवि मार्केटिंग' से खरीदे जाने की जानकारी सामने आई। कार्रवाई में 2.68 लाख रुपये से अधिक का मुद्दामाल जब्त किया गया और 10 कॉस्मेटिक उत्पादों के नमूने जांच के लिए भेजे गए। वहीं, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और FDCA की संयुक्त कार्रवाई में BP की कथित नकली दवाओं की सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भी खुलासा हुआ। मामले में अहमदाबाद और लखनऊ से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियां अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, निर्माण और सप्लाई चैन की जानकारी जुटा रही हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना लाइसेंस उत्पादन और नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डभोई के पास भीषण सड़क हादसा, एक की मौत; दो गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तरसाणा-वसई मार्ग पर शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात भारी वाहन ने बाइक और एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे में वसई निवासी बुद्धिसागर खोडाभाई राठोड़िया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हर्ष प्रभातभाई बारिया और हार्दिक दिलीपभाई बारिया गंभीर घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन कंटेनर था और चालक हादसे के बाद फरार हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज किया है। फरार चालक की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सुपर एक्सक्लूसिव रोड्स एंड बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन जैनिक वकील ने लेटर लिखा

भ्रष्टाचारियों सावधान: नरोडा पाटिया ब्रिज के मुद्दे पर AMC एडमिनिस्ट्रेशन और रोड कमेटी आमने-सामने

AMC कमिश्नर बंछानिधि पानी एक्शन लेंगे या नहीं, इस पर सबकी निगाहें

इंजीनियरों, कंसल्टेंट एजेंसियों और कॉन्ट्रैक्टर्स की परफॉर्मेंस पर कई सवाल

हर दिन भारी ट्रैफिक जाम से लोकल लोगों को बहुत परेशानी हुई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी इलाके के एक बहुत ज़रूरी जंक्शन नरोदा पाटिया पर ब्रिज का काम काफी समय से चल रहा है और अब काम में देरी हो गई है, इसलिए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की रोड्स एंड बिल्डिंग कमेटी ने डिप्टी कमिश्नर को लेटर लिखकर इस देरी पर सफाई मांगी है। इससे यह बात सामने आ रही है कि इंजीनियरों, कंसल्टेंट एजेंसियों और कॉन्ट्रैक्टर्स की मिलीभगत से लोगों को परेशान और परेशान किया जा रहा है। पाटिया ब्रिज की वजह से सड़क पतली हो गई है, इसलिए नरोदा से पाटिया जाने वाली BRTS-AMTS बसों को रोककर और डायवर्ट करके भेजा जा रहा है, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। इस पूरे मामले में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर बंछानिधि पानी क्या कहते हैं, इस पर सबकी नज़र है। इस बारे में जानकारी यह है कि अहमदाबाद में नरोदा पाटिया ब्रिज के काम में हो रही देरी की वजह से रोड कमेटी के चेयरमैन जैनिक वकील ने डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर को लेटर लिखकर सफाई मांगी है। अहमदाबाद शहर के नरोदा पाटिया इलाके में बन रहे ओवरब्रिज के कंस्ट्रक्शन में हो रही भारी देरी की वजह से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और चुनी हुई विंग के बीच विवाद सामने आ गया है। इस मुद्दे पर रोड कमेटी के चेयरमैन जैनिक वकील ने डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर को ऑफिशियल लेटर भेजकर तीखे सवाल उठाए हैं।

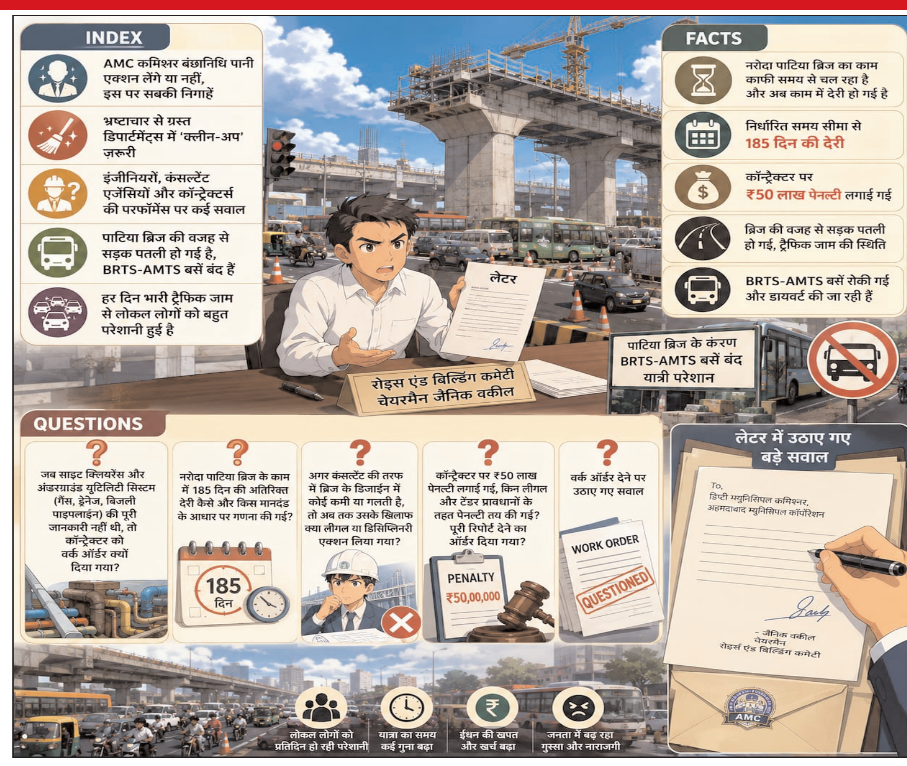

वर्क ऑर्डर देने पर उठाए सवाल

रोड कमेटी के चेयरमैन जैनिक वकील ने लेटर पर कड़ा हमला बोला है और पूछा है कि जब प्रोजेक्ट के लिए साइट क्लीयरेंस और अंडरग्राउंड यूटिलिटी सिस्टम जैसे गैस, ड्रेनेज और बिजली पाइपलाइन के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी, तो कॉन्ट्रैक्टर को वर्क ऑर्डर क्यों दिया गया?

कंसल्टेंट की गलती और देरी पर सफाई मांगी गई

नरोदा पाटिया ब्रिज के कंस्ट्रक्शन में तय डेडलाइन से 185 दिन की देरी हो गई है। लेटर में डिटेल में जानकारी मांगी गई है कि किस तरीके या स्टैंडर्ड के आधार पर 185 दिनों की यह एक्स्ट्रा देरी कैलकुलेट की गई है। इसके अलावा, अगर कंसल्टेंट की तरफ से ब्रिज के डिजाइन में कोई कमी या गलती है, तो उसके खिलाफ अब तक क्या लीगल या डिसिप्लिनरी एक्शन लिया गया है, इस पर भी सफाई मांगी गई है।

50 लाख की पेनल्टी के प्रोविजन पर भी सवाल

नरोदा पाटिया ब्रिज के काम में देरी के लिए कॉन्ट्रैक्टर पर 50 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई है। कमेटी चेयरमैन ने इस पेनल्टी को तय करते समय किन लीगल और टेंडर प्रोविजन को ध्यान में रखा गया है, इस पर पूरी रिपोर्ट देने का ऑर्डर दिया है। इस लेटर ने AMC एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ी बहस छेड़ दी है।

खाकी का खौफ या सरकारी वसूली? राजकोट के पुलिस थानों पर गंभीर आरोप

राजकोट में पुलिस व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोपों से मचा हड़कंप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

राजकोट। यहां पुलिस तंत्र के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों पर वर्दी की आड़ में कथित तौर पर नागरिकों से वसूली करने, जमीन-जायदाद के विवादों में हस्तक्षेप करने और शिकायतों के निपटारे के नाम पर आर्थिक लेन-देन करने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप लगाने वाले नागरिकों का कहना है कि वे न्याय की उम्मीद में पुलिस थानों तक पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें राहत मिलने के बजाय कथित रूप से दबाव और आर्थिक सौदेबाजी का सामना करना पड़ता है। इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली और आम नागरिकों के अधिकारों को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र और आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। आरोप है कि राजकोट में कुछ मामलों में नागरिकों द्वारा दी गई शिकायतों और आवेदनों को लंबे समय तक लंबित रखा जाता है। इसके बाद कथित तौर पर दूसरे पक्ष के साथ समझौते या आर्थिक लेन-देन के रास्ते तलाशे जाते हैं। कुछ नागरिकों का दावा है कि पुलिसकर्मी जांच अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर जमीन और संपत्ति से जुड़े मामलों में मध्यस्थ की तरह काम करते हैं। आरोप तो यहां तक लगाए गए हैं कि कुछ मामलों में विवादित संपत्तियों के सौदों में तीसरे पक्ष को शामिल कर आर्थिक लाभ उठाने की कोशिश की गई। यदि ये आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो यह पुलिस की निष्पक्षता और कानून के शासन पर बेहद गंभीर सवाल खड़े कर सकता है। इस मामले में सबसे गंभीर आरोप यह है कि कुछ संपत्ति और सिविल विवादों में पुलिस द्वारा कथित तौर पर दबाव बनाया जाता है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि उन्हें पुलिस कार्रवाई, हिरासत या जेल भेजने का डर दिखाकर समझौते के लिए मजबूर किया जाता है। कानूनी जानकारों के अनुसार, महज सिविल विवाद होने की स्थिति में पुलिस की भूमिका और अधिकार कानून के दायरे में ही होने चाहिए। ऐसे मामलों में यदि किसी व्यक्ति को गैरकानूनी तरीके से धमकाया या दबाव में लाया जाता है तो उसकी जांच आवश्यक है।

शिकायत दर्ज करने के बजाय कथित तौर पर सौदेबाजी?

आरोपों के अनुसार, कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद तुरंत कानूनी कार्रवाई करने के बजाय यह तय करने की कोशिश की जाती है कि मामले को कथित रूप से किस तरह 'समझौते' के जरिए खत्म किया जा सकता है। नागरिकों का दावा है कि इस पूरी प्रक्रिया में कुछ कथित बिचौलिये भी सक्रिय रहते हैं, जो शिकायतकर्ता और पुलिस अधिकारियों के बीच संपर्क का काम करते हैं। इन आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए शिकायतों, पुलिस रिकॉर्ड, कॉल विवरण, सीसीटीवी फुटेज और संबंधित संपत्ति दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कुछ शिकायतकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि संपत्ति विवादों को सुलझाने के नाम पर जमीन या प्लॉट के सौदों में हस्तक्षेप किया गया और करोड़ों रुपये के लेन-देन में कथित रूप से हिस्सेदारी लेने की कोशिश हुई। आरोप यह भी हैं कि जब मूल शिकायतकर्ता अपने पैसे या संपत्ति से जुड़े अधिकारों की मांग करते हैं तो उन्हें कथित तौर पर झूठे मुकदमे में फंसाने या कड़े कानूनों के तहत जेल भेजने की धमकी दी जाती है। यदि इस तरह की कोई घटना प्रमाणित होती है तो मामला केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पद

के दुरुपयोग और नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन की दिशा में भी गंभीर जांच का विषय बन सकता है। राजकोट में पहले भी पुलिस से जुड़े विवाद और भ्रष्टाचार के आरोप चर्चा में रहे हैं। ऐसे में ताजा आरोपों ने एक बार फिर पुलिस व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है। आम नागरिकों का सवाल है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर पुलिस थाने जाता है और वहीं उसे कथित तौर पर आर्थिक दबाव का सामना करना पड़े, तो वह न्याय के लिए आखिर किस दरवाजे पर जाए? हालांकि, किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी को इन आरोपों के आधार पर दोषी मानने से पहले निष्पक्ष जांच और ठोस सबूत जरूरी हैं।

पढ़ाई कर रहे युवाओं से मारपीट और किताबें फाड़ने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के शैक्षणिक क्षेत्र माने जाने वाले वस्त्रापुर में छात्रों के एक समूह पर कथित हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि पढ़ाई कर रहे छात्रों पर कुछ लोगों ने लाठी, डंडे और बेसबॉल स्टिक से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल बताया जा रहा है। शिकायत में खुद को बजरंग दल से जुड़ा बताने वाले हिरन रबारी और उसके साथ आए कुछ लोगों पर छात्रों के साथ मारपीट का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

छात्रों की किताबें फाड़ने का भी आरोप

आरोप है कि हमलावरों ने छात्रों के साथ मारपीट करने के अलावा उनकी किताबों को भी नुकसान पहुंचाया। बताया जा रहा है कि शहीद भगत सिंह के विचारों से जुड़ी किताबें फाड़कर सड़क पर फेंक दी गईं। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और छात्र संगठनों में नाराजगी है। यूथ कांग्रेस समेत विभिन्न संगठनों ने छात्रों पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस स्टाफ के चालक से मारपीट का दावा

मामले में यह भी आरोप सामने आया है कि घटनास्थल पर मौजूद वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन के स्टाफ के एक चालक के साथ भी कथित रूप से मारपीट की गई। यदि जांच में यह आरोप सही पाया जाता है तो मामला और गंभीर हो सकता है। घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मामला दर्ज करने में देरी की गई, हालांकि पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

निष्पक्ष जांच की मांग

घटना को लेकर छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुछ लोगों की ओर से राजनीतिक संरक्षण की आशंका भी जताई गई है, लेकिन किसी राजनीतिक दल या नेता के संरक्षण में हमला किए जाने का आरोप फिलहाल साबित नहीं हुआ है। अब पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट होगा कि छात्रों पर हमला, किताबें फाड़ने और पुलिस स्टाफ के चालक से मारपीट के आरोपों में कितनी सच्चाई है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

अहमदाबाद में 21 इंच बारिश के बाद अमित शाह का लोक दरबार, बोले- जिम्मेदारी मैं खुद स्वीकार करता हूं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में हाल ही में हुई असाधारण बारिश के बाद पश्चिमी अहमदाबाद के बोपल, घुमा, शेला और आंबली समेत कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई थी। कई घरों और सोसायटियों में पानी भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और प्रशासन की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी भी सामने आई। हालात को देखते हुए गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बोपल की बीकेएम स्कूल में विशेष लोक दरबार आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट, एएमसी आयुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। लोक दरबार में अमित शाह ने कहा कि अहमदाबाद में पिछले 50 वर्षों में इतनी कम अवधि में 21 इंच जैसी असाधारण बारिश नहीं हुई। भारी बारिश के कारण जल निकासी व्यवस्था और प्री-मानसून तैयारियां अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के लिए केवल महापौर या एएमसी आयुक्त को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। गांधीनगर के सांसद और स्थानीय जनप्रतिनिधि के तौर पर उन्होंने इस समस्या की जिम्मेदारी खुद स्वीकार करने की बात कही। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को आश्वासन दिया कि जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत

बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगली बार जब वे वोट मांगने लोगों के बीच आएंगे, उससे पहले ऐसी ड्रेनेज व्यवस्था तैयार करने का प्रयास होगा कि 30 इंच बारिश होने पर भी घरों और सोसायटियों में पानी जमा न हो। इससे अधिक बारिश की स्थिति से निपटने के लिए भी आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। बैठक में नए शामिल क्षेत्रों की पेयजल समस्या को लेकर भी घोषणा की गई। जासपुर से विशेष पाइपलाइन के जरिए अगले छह महीनों में नर्मदा का पानी इन क्षेत्रों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके अलावा सड़क, मार्ग और अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुधार के लिए 143 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य शुरू किए जाने की जानकारी दी गई। अमित शाह ने सभी सोसायटियों के चेयरमैन से स्थानीय समस्याओं और सुझावों को लिखित रूप में भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के आधार पर समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। अब स्थानीय लोगों की नजर घोषित योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर रहेगी।

भाजपा की कथित दोहरी नीति पर सवाल, समय रैना के सम्मान से छिड़ी बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिल्ली में छात्रों की कथित अभद्र भाषा को लेकर भाजपा की ओर से संस्कार और मर्यादा की बात उठाए जाने के बीच महाराष्ट्र में समय रैना के सम्मान को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में समय रैना को सम्मानित किया गया। समय रैना अपने विवादित कंटेंट और भाषा को लेकर पहले भी चर्चा में रहे हैं। सम्मान समारोह में उन्होंने महाराष्ट्र साइबर सेल पर भी मजाकिया अंदाज में तंज कसा। आलोचकों का सवाल है कि यदि अभद्र भाषा गलत है तो उसके मापदंड छात्रों और कलाकारों के लिए समान क्यों नहीं होने चाहिए। हालांकि, भाजपा की ओर से इस आरोप पर स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शिक्षा का दीपकः नीलवड़ा के आदर्श शिक्षक स्व. रतिलाल भाई सोलंकी की जीवन-यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह चरित्र और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। इस कथन को अपने जीवन और कर्म से चरितार्थ करने वाले अमरेली जिले के बाबरा तालुका के छोटे से गाँव नीलवड़ा के अनमोल रत्न थे–स्व. रतिलाल भाई सोलंकी। 24 फरवरी 1945 को जन्मे और 29 जून 2025 को इस नश्वर संसार को अलविदा कहकर ईश्वर के चरणों में लीन होने वाले इस महान शिक्षक का जीवन आज भी शिक्षा के क्षेत्र में एक अद्वितीय मिसाल है।

संस्कार और समर्पण का सरल जीवन

नीलवड़ा जैसे छोटे से गाँव के सीमित संसाधनों के बीच भी रतिलाल भाई ने कभी अपने विचारों और आदर्शों को छोटा नहीं होने दिया। उनके हृदय में शिक्षा के प्रति अगाध आदर और समर्पण का भाव था। एक श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यालय में तो अनगिनत विद्यार्थियों का भविष्य संवारा ही, साथ ही अपने पारिवारिक जीवन में भी शिक्षा को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि सच्ची शिक्षा वही है जो मनुष्य को स्वावलंबी और संस्कारी बनाए।

शिक्षा से परिवार का स्वर्णकालः चारों संतानें सरकारी सेवा में

रतिलाल भाई की वास्तविक उपलब्धि और उनकी शिक्षा का असली प्रभाव उनके परिवार में देखने को मिलता है। उनकी कुल चार संतानें थीं–दो बेटियाँ और दो बेटे। बेटा-बेटी के भेदभाव से परे उठकर, उन्होंने चारों संतानों को उच्च संस्कार और उत्तम शिक्षा प्रदान की। यह उनकी कठिन मेहनत, सही मार्गदर्शन और संस्कारों का ही परिणाम था कि आज उनकी चारों संतानें गौरवशाली सरकारी नौकरियों में कार्यरत हैं:

* कोई संतान कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में उच्च शिक्षा दे रही है,

* कोई हाईस्कूल में शिक्षक के रूप में किशोरों का भविष्य संवार रही है, तो

* कोई प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में बचपन को तराशने का पवित्र कार्य कर रही है।

एक पिता और शिक्षक के रूप में इससे बड़ा गौरव भला और क्या हो सकता है? उन्होंने शिक्षा के सामर्थ्य से पूरे परिवार को आर्थिक और सामाजिक सुख-समृद्धि प्रदान की। उन्होंने समाज के सामने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया कि यदि सही दिशा में शिक्षा दी जाए, तो पीढ़ियाँ तर जाती हैं।

अमर विरासत और श्रद्धांजलि

29 जून 2025 को वे हमारे बीच से विदा हो गए, लेकिन उनके द्वारा जलाया गया ज्ञान का दीपक आज भी उनकी संतानों और समाज में प्रकाश फैला रहा है। रतिलाल भाई भौतिक रूप से भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनके द्वारा दिए गए संस्कार, सद्विचार और शिक्षा की विरासत सदैव अमर रहेगी। नीलवड़ा की यह पवित्र भूमि और पूरा समाज इस दूरदर्शी, समर्पित और श्रेष्ठ शिक्षक को हमेशा आदरपूर्वक याद रखेगा। ज्ञान के ऐसे देवता को कोटि-कोटि नमन!

– लेखकः रूपेश सोलंकी

रक्षाबंधन पर एसटी कर्मयोगियों का सम्मान, छात्राओं ने ड्राइवर-कंडक्टरों को बांधी राखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के ड्राइवर और कंडक्टरों की कलाई पर स्कूली छात्राओं ने राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। रोजाना हजारों यात्रियों को सुरक्षित उनकी मंजिल तक पहुंचाने वाले इन कर्मयोगियों के लिए यह पल बेहद भावुक रहा। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने इस भावुक आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए छात्राओं की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि राखी का धागा केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सम्मान और विश्वास को जोड़ने का माध्यम भी है। छात्राओं ने एसटी कर्मचारियों को राखी बांधकर उनकी मेहनत, निष्ठा और जनसेवा के प्रति सम्मान जताया। इस दौरान कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। आयोजन ने सेवा, समर्पण और मानवता के रिश्ते को मजबूत करने का संदेश दिया।

शातिर बकरा चोर गिरोह का पर्दाफाश, नडियाद के दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले में पशु चोरी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए नडियाद क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए सेवालिया के पास महाराज के मुवाड़ा इलाके से बकरे चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में नडियाद निवासी अजय उर्फ कालू विठ्ठलभाई तळपदा और रोनक सुरेशभाई तळपदा को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरोह में शामिल एक अन्य आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, महाराज के मुवाड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चोरी की घटनाओं को देखते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई थी। इसी दौरान मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कथित तौर पर रात के समय या सुनसान इलाकों में पशुपालकों के बकरे चोरी करते थे। इसके बाद चोरी किए गए बकरों को बेचकर रकम हासिल की जाती थी। दोनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को इस गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में कठलाल तालुका के भानेर गांव निवासी विजय अंबालाल तळपदा का नाम भी सामने आया है। पुलिस कार्रवाई के दौरान वह मौके से फरार होने में सफल रहा। इसके बाद क्राइम ब्रांच की अलग-अलग टीमें उसकी तलाश में जुट गई हैं। पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ उसके संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पशु चोरी के इस नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।

राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ

संविधान सभा व एडवाइजरी बोर्ड की बैठक रविवार को

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। नवगठित राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ की संविधान सभा एवं एडवाइजरी बोर्ड की प्रथम महत्वपूर्ण बैठक रविवार को दोपहर 1 बजे टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार प्रवीणचंद छावड़ा करेंगे। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, संविधान को अंतिम रूप देने तथा संगठन को विधिवत स्वरूप प्रदान करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। संगठन के संयोजक डा. अखिल बंसल ने बताया कि राजस्थान के अधिस्वीकृत एवं मान्यता प्राप्त पत्रकारों के हितों, सम्मान, अधिकारों तथा पत्रकारिता की गरिमा की रक्षा के उद्देश्य से गठित इस संगठन को मजबूत एवं सुव्यवस्थित स्वरूप देने की दिशा में यह बैठक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ के संविधान के अंतिम प्रारूप पर विस्तृत विचार-विमर्श कर उसका अनुमोदन किया जाएगा। संविधान में संगठन के उद्देश्यों, सदस्यता, पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों, एडवाइजरी बोर्ड, कार्यसमिति तथा जिला स्तर पर संगठनात्मक ढांचे सहित विभिन्न प्रावधानों को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में संगठन के पंजीयन की विधिवत कार्यवाही प्रारंभ करने, आवश्यक दस्तावेज तैयार करने तथा पंजीयन के स्वरूप एवं प्रक्रिया पर भी निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ ही संगठन की कार्यसमिति के गठन एवं पदाधिकारियों के मनोनयन से संबंधित प्रस्तावों पर भी विचार किया जाएगा। डा. बंसल ने बताया कि संगठन को केवल एक औपचारिक संस्था के रूप में नहीं, बल्कि प्रदेश के अधिस्वीकृत पत्रकारों के साझे मंच और मजबूत प्रतिनिधि संगठन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन पत्रकारों की समस्याओं को सामूहिक रूप से उठाने, उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा करने तथा पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक पहल करने के लिए कार्य करेगा। बैठक में एडवाइजरी बोर्ड एवं संविधान सभा के लगभग 31 सदस्य शामिल होंगे। संविधान सभा के सदस्यों द्वारा संविधान पर विचार एवं अनुमोदन के साथ संगठन की भावी दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए जाएंगे। बैठक को संगठन के गठन की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। संविधान के अनुमोदन एवं संगठनात्मक ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने के बाद राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ की आगामी गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं सक्रिय रूप से संचालित किए जाने की योजना है।

मानवता और समर्पण की अनूठी मिसाल

समाजसेवी डॉ. ए.के. शर्मा पिछले 10 वर्षों से झुग्गियों और वृद्धाश्रमों में वंचितों संग मना रहे हैं रक्षाबंधन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुरुग्राम। समाज सेवा, करुणा और आत्मीयता का अनूठा संदेश देते हुए गुरुग्राम के सुप्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. ए.के. शर्मा पिछले एक दशक (10 वर्षों) से रक्षाबंधन का पावन पर्व समाज के कमजोर, श्रमिक, गरीब और आश्रयहीन लोगों के बीच मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी उन्होंने शहर की स्लम बस्तियों (झुग्गियों) और वृद्धाश्रमों में पहुंचकर मासूम बच्चों व बुजुर्गों से राखी बंधवाई। इस दौरान उन्होंने सभी का मुंह मीठा कराया और दैनिक उपयोग की वस्तुएं व उपहार भेंट कर उनके चेहरों पर खुशियां बिखेरीं। डॉ. ए.के. शर्मा का मानना है कि किसी भी पर्व या त्योहार की वास्तविक सार्थकता और सच्चा आनंद तभी मिलता है जब हमारी खुशियां उन लोगों तक पहुंचे, जो किसी न किसी कारण से अपने परिवार के स्नेह और संबल से वंचित रह गए हैं। पिछले 10 वर्षों से लगातार जारी उनकी इस सेवा यात्रा ने हजारों जरूरतमंदों के जीवन में आशा और अपनेपन की एक नई किरण जगाई है। वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों और स्लम बस्तियों के मासूम बच्चों के साथ समय बिताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें जो आत्मिक शांति और सुकून मिलता है, वह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अपनों से दूर रह रहे बुजुर्गों के सिर पर हाथ फिरने और बच्चों की किलकारियों के बीच रक्षाबंधन मनाना उनके जीवन का सबसे अनमोल क्षण बन जाता है। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने समाज के आर्थिक रूप से संपन्न और सक्षम वर्ग से भी एक विशेष अपील की। उन्होंने कहा, 'जब आप निःस्वार्थ भाव से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करते हैं, तो कुदरत और ईश्वर स्वयं आप पर और आपके परिवार पर अपनी कृपा बरसाते हैं।' उन्होंने संपन्न लोगों से आग्रह किया कि वे हर त्योहार पर आगे आएं, ऐसे असहाय लोगों की मदद करें और अपनी खुशियों को उनके साथ साझा करें। पिछले एक दशक से लगातार जारी डॉ. शर्मा की यह निष्काम सेवा न केवल जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है, बल्कि पूरे समाज को भाईचारे, सद्भावना और मानव धर्म का एक बेहद खूबसूरत व व्यावहारिक संदेश भी दे रही है।

पुलिस चौकी से 300 मीटर दूर वारदात

ठक्करनगर में दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी इलाके ठक्करनगर में दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठक्करनगर पानी की टंकी के सामने वाली गली में दिलीप नामक युवक पर धारदार हथियार से कई वार किए गए। गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात स्थानीय पुलिस चौकी से महज करीब 300 मीटर की दूरी पर होने से क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि इलाके में रहने वाले दो लोग, जो हाल ही में पैरोल या जमानत पर जेल से बाहर आए थे, दिलीप को पहले से धमकियां दे रहे थे। परिवार के मुताबिक, दोनों ने रास्ते में दिलीप को रोककर विवाद किया और इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर दिया। हालांकि, परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने संदिग्ध आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। पुलिस हत्या के पीछे की वजह, पुराने विवाद और आरोपियों की भूमिका समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दिनदहाड़े पुलिस चौकी के पास हुई हत्या के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती करने की मांग की है। साथ ही पैरोल या जमानत पर बाहर आए आरोपियों की निगरानी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी।

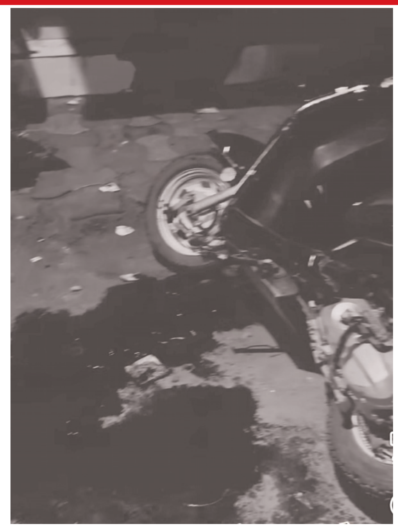

रक्षाबंधन पर लौटी बहन की यादः एक हाथ ने जोड़ दिए दो अनजान परिवार, अंगदान से बने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वलसाड। रक्षाबंधन के पवित्र पर्व पर मुंबई और गुजरात के वलसाड के बीच मानवता, सद्भाव और अंगदान की एक बेहद भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई। मुंबई की 15 वर्षीय अनामता रक्षाबंधन पर विशेष रूप से वलसाड पहुंची और शिवम नाम के युवक की कलाई पर उसी हाथ से राखी बांधी, जो कभी उसकी दिवंगत छोटी बहन रिया का था। खून का रिश्ता न होने के बावजूद अंगदान के जरिए जुड़े इस रिश्ते ने दोनों परिवारों को भावनात्मक रूप से एक-दूसरे के करीब ला दिया। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 में एक दुर्घटना के दौरान करंट लगने से मुंबई की अनामता का दायां हाथ गंभीर रूप से झुलस गया था। डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उसका हाथ बचाया नहीं जा सका। इसके बाद अनामता को जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, सितंबर 2024 में वलसाड की 9 वर्षीय रिया बोबी मिस्त्री को अचानक गंभीर ब्रेन हेमरेज हुआ। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। बेटी को खोने के असहनीय दुख के बीच रिया के परिवार ने साहसिक फैसला लेते हुए उसके अंगदान की स्वीकृति दी। उसके अंगों में आंखें, किडनी, लीवर और दायां हाथ भी शामिल था। रिया का दायां हाथ विशेष ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से वलसाड से मुंबई की अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने सफलतापूर्वक हाथ का प्रत्यारोपण अनामता के शरीर में किया। इस सफल सर्जरी के बाद अनामता को न केवल अपना खोया हुआ हाथ वापस मिला, बल्कि रिया के परिवार से एक भावनात्मक रिश्ता भी जुड़ गया। इस वर्ष रक्षाबंधन पर अनामता ने तय किया कि वह रिया के सगे भाई शिवम को उसी हाथ से राखी बांधेगी। इसके लिए वह विशेष रूप से मुंबई से वलसाड पहुंची। अनामता ने शिवम की कलाई पर राखी बांधी और उसे घड़ी भेंट की। वहीं शिवम ने अनामता को ब्रैसलेट देकर इस रिश्ते को और मजबूत किया। इस भावुक मुलाकात के दौरान शिवम ने कहा कि अनामता को राखी बांधते देखकर उसे ऐसा लगा जैसे उसकी छोटी बहन रिया ही वापस लौट आई हो। वहीं अनामता ने कहा कि अब यह हाथ केवल उसका नहीं, बल्कि रिया की याद से जुड़ा हुआ है और वह हर वर्ष वलसाड आकर शिवम को राखी बांधेगी। रक्षाबंधन पर हुई यह मुलाकात अंगदान की शक्ति और मानवता की मिसाल बन गई। रिया के परिवार के साहसिक निर्णय ने अनामता को नया जीवन दिया और दो ऐसे परिवारों के बीच भाई-बहन का रिश्ता बना दिया, जिनके बीच पहले कोई पारिवारिक संबंध नहीं था। यह कहानी संदेश देती है कि अंगदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने के साथ-साथ भावनाओं और रिश्तों को भी अमर बना सकता है।

रक्षा सूत्र में बंधा पुलिस-जन का स्नेह, एसकेडीवी मिशन ने साल्हेवारा थाना पहुंचकर जवानों को बांधी राखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास की परंपरा को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए आमगांवघाट क्षेत्र के एसकेडीवी मिशन के प्रतिनिधियों ने साल्हेवारा पुलिस थाने पहुंचकर पुलिस जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान प्रतिनिधियों ने जवानों के सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके प्रति सम्मान और आत्मीयता व्यक्त की। इस अवसर पर एसकेडीवी मिशन के जिला प्रतिनिधि रामजी ठाकरे, तहसील प्रतिनिधि सुरेश झारिया, संतु धरमगढ़े, उधो पटेल और जग्गू ठाकरे के साथ महिला प्रतिनिधि आधीन बाई, लीला बाई एवं सरोज ने पुलिस जवानों की कलाई पर राखी बांधी। रक्षा सूत्र बांधते समय जवानों ने भी इस आत्मीय पहल के लिए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि पुलिस जवान त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उन्हें रक्षा सूत्र बांधना समाज की ओर से उनके प्रति सम्मान, स्नेह और विश्वास प्रकट करने का भावपूर्ण प्रयास है। इस पहल से पुलिस और आमजन के बीच भाईचारे, आपसी विश्वास और सामाजिक सौहार्द की भावना मजबूत हुई।

सर्वज्ञ राव शूटिंग अकादमी राजनांदगाव के दो खिलाड़ी कालवा सर्वज्ञ राव एवं वैभव थावरे 10 वीं पूर्व क्षेत्र राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये रवाना.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । सर्वज्ञ राव शूटिंग अकादमी राजनांदगाव के दो खिलाड़ी कालवा सर्वज्ञ राव और वैभवी थावरे 10 वीं पूर्व क्षेत्र राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आसनसौल रवाना हो गये है। वे दोनों छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता पूर्व क्षेत्र में आने वाले राज्यों के शूटिंग के खिलाडी विभिन्न आयु वर्ग में भाग लेंगे । ये दोनों खिलाड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगें। इस प्रतियोगिता में 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल, तथा 10,25, और 50 मीटर एयर राइफल में सब युथ, युथ, जूनियर, सीनियर, मास्टर्स, सीनियर मास्टर और सुपर मास्टर आयु वर्ग के खिलाडी भाग लेंगे. उल्लेखनीय है कि कालवा सर्वज्ञ राव आयुष वर्मा एवं काकुल शेखावत ने विगत वर्ष प्रि नेशनल में भाग लिया था। इन खिलाड़ियों में से काकुल शेखावत राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर नेशनल में भाग ले चुकी है। इन दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धी पर दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव, युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव के प्राचार्य, शिक्षकगण, संचालकगण, सर्वज्ञ राव शुटिंग एकेड़मी राजनांदगांव के खिलाड़ियों ने बधाईयाँ दी है।

मोडासा में ट्रैफिक नियमों की खुलेआम धज्जियां, ईको की छत पर 6-7 लोग सवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोडासा। अरावली जिले के मुख्यालय मोडासा में यातायात नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक ईको गाड़ी की छत पर बने कैरियर पर 6 से 7 लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। वाहन व्यस्त बाजार से होकर गुजर रहा था। इस तरह जान जोखिम में डालकर सफर कराने की घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। त्योहारों के दौरान शहर में भीड़ बढ़ने के बीच क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने वाले वाहन चालकों पर सवाल उठ रहे हैं। अचानक ब्रेक लगने या वाहन का संतुलन बिगड़ने की स्थिति में छत पर बैठे लोग गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। वायरल वीडियो के बाद लोगों ने पुलिस और यातायात विभाग से वाहन के नंबर के आधार पर चालक की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही वाहन की फिटनेस और परमिट की जांच तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने की मांग उठाई गई है।

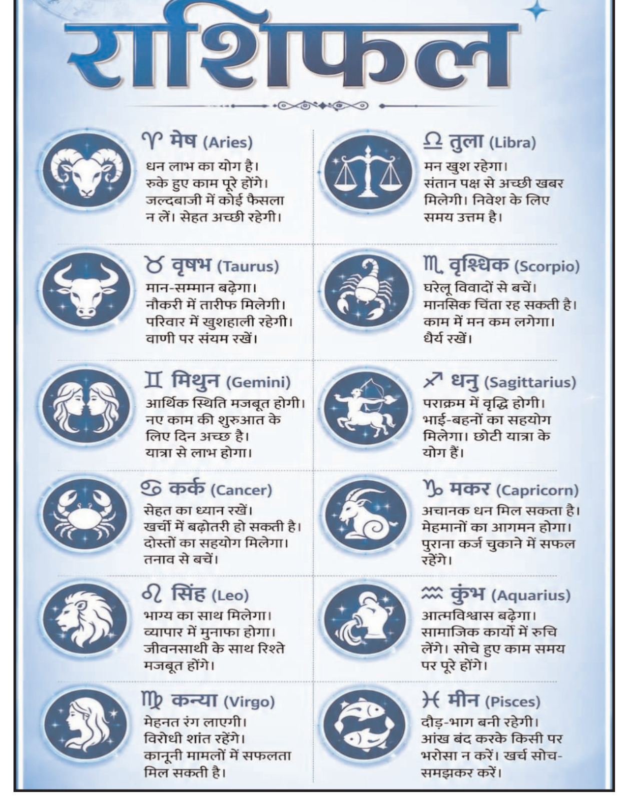

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

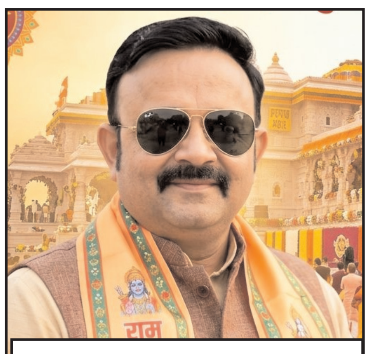

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> 29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज-ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं।

29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा-स्वस्थ नागरिक, ऊजार्वान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बबार्दी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने-यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

संपादकीय

भयावह हिमालयी त्रासदी

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दशार्या है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चूकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरूआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा। अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है। बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है।

बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति-ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में ह्यविविधता में एकताह्न का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कोर्ट परिसर और बाहर गैंगवार कानून व्यवस्था पर सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

अदालतों और कचहरी परिसरों के बाहर इस तरह की आपराधिक घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठाती हैं और आम नागरिकों में डर पैदा करती हैं।अदालतों के बाहर लगातार बढ़ रही गैंगवार और गोलीबारी की घटनाएं देश में न्यायपालिका और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं दरअसल कई बार कोर्ट परिसरों के गेट पर पर्याप्त पुलिसकर्मी या मेटल डिटेक्टर नहीं होते हैं। वकीलों, मुवक्किलों और आम जनता की भारी भीड़ के कारण संदिग्ध लोगों की पहचान करना कठिन हो जाता है। आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की सघन तलाशी न होना अपराधियों को मौका देता है।देश के कई हिस्सों में अदालत परिसरों व उनके आस-पास अपराधी गिरोहों तथा अन्य लोगों द्वारा गोलीबारी और हिंसा का सिलसिला कुछ समय से जारी है जिससे ये स्थान असुरक्षित होते जा रहे हैं जिसका अनुमान पिछले दिनों लगातार हो रही घटनाओं से लगाया जा सकता है आपको बता दें 20 अगस्त 2026 को हरियाणा के हिसार कोर्ट परिसर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर गैंगस्टर विनोद पाणु की हत्या कर दी गई।

आपको याद होगा 24 सितम्बर, 2021 को दिल्ली की रोहिणी अदालत के अंदर जज के सामने 2 हमलावरों ने गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला।बिहार - फरवरी 2024: आरा सिविल कोर्ट गेट के पास बदमाशों ने पेशी पर आए एक बुजुर्ग आरोपी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।8 जुलाई, 2022 को मोगा (पंजाब) के अदालत परिसर में एक केस के सिलसिले में पेशी भुगतने आए दोनों पक्षों के लोगों में पार्किंग एरिया में गाड़ी आगे बढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर गोलियां चला दीं।7 फरवरी, 2023 को लुधियाना में पेशी भुगतने आए लोगों के 2 गुटों के बीच बहस के बाद एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर देने से 3 लोग घायल हो गए। 21 अप्रैल, 2023 को दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में एक वकील ने पेशी भुगतने आई एक महिला के साथ पुराने विवाद के चलते उस पर गोलियां चला दीं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

6 जुलाई, 2023 को दिल्ली की तीस हजारी अदालत में 2 वकीलों के ग्रुपों के बीच झगड़े के बाद पहले दोनों धड़ों ने एक-दूसरे पर पत्थरों से हमला किया और फिर एक धड़े के वकील ने दूसरे धड़े के वकील पर गोली चला दी।

4 सितम्बर, 2025 को भिवानी (हरियाणा) अदालत परिसर में वकीलों के एक चैम्बर के निकट अपने परिचितों के साथ बैठे एक व्यक्ति पर हमलावरों ने गोलियां चला कर उसे मार डाला। इस मामले की जांच रिपोर्ट में पता चला कि हमलावर वास्तव में उक्त व्यक्ति को मारने नहीं आए थे। उनका निशाना तो बिजेंद्र और काला नामक 2 व्यक्ति थे। सुपारी लेकर हमलावरों ने उन दोनों की हत्या की योजना बनाई थी परंतु फायरिंग के दौरान गोली गलत व्यक्ति को लग गई।

16 मई, 2026 को खरखौदा (हरियाणा) अदालत में दहेज प्रताड़ना और घरेलू विवाद के मामले में पेशी भुगतने आए नीरज उर्फ कातिया के पेशी के बाद एस.डी.एम. कार्यालय के निकट पहुंचते ही कार में सवार हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे नीरज की मौत हो गई।

6 अगस्त, 2026 को चरखी दादरी (हरियाणा) में अदालत में पेशी के बाद जा रहे 7 युवकों पर दूसरे पक्ष द्वारा अदालत परिसर से कुछ ही दूरी पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग के परिणामस्वरूप कार में सवार सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी गर्दन और पैरों पर 3 गोलियां लगी थीं।

और अब 20 अगस्त, 2026 को हिसार (हरियाणा) के कोर्ट परिसर में गैंगस्टर विनोद काना पेशी भुगतने के बाद जब अपने साथियों के साथ पैदल चल कर बाहरी गेट के पास पहुंचा तो अचानक 2 हमलावरों ने ताबड़तोड़ 12 राऊंड से अधिक गोलियां बरसा कर विनोद काना की हत्या कर दी। इस हमले में गोली लगने से गैंगस्टर का एक साथी घायल हो गया तथा दूसरे के हाथ पर छर्रे लगे। ये तो सिर्फ कुछ वारदातें बानगी है आए दिन अपराधी अदालत में और बाहर परस्पर रंजिशन खून खराबा कर रहे हैं उन्हें कानून का तनिक भय नही है। इसी तरह की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए 12 अगस्त, 2023 को जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट ने सुप्रीमकोर्ट में देश भर के न्यायिक परिसरों में अदालतों में सुरक्षा सम्बन्धी रणनीति बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा था कि, ऐसी घटनाएं न केवल जजों बल्कि वकीलों, अदालत के कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करती हैं। अदालत परिसरों में सुरक्षा मजबूत करने के आदेश देते हुए उन्होंने कहा कि, एक ऐसे स्थान के रूप में अदालत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए समझौता नहीं किया जा सकता। अतः न्यायिक संस्थान सभी पक्षकारों की भलाई के लिए व्यापक कदम उठाएं।

अदालत परिसरों में इस प्रकार की घटनाएं सुरक्षा प्रणाली में खामियों का मुंह बोलता उदाहरण हैं। इसके लिए जहां अदालत परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है, वहीं अनेक अदालतों में प्रमुख स्थानों पर जहां अभी भी कैमरे नहीं लगे और जो लगे हैं, उनमें से भी अधिकांश काम नहीं कर रहे, उनका चालू हालत में होना अदालतों में सुरक्षा के लिए जरूरी है।

कोर्ट के बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवेश नियंत्रण, आधुनिक तकनीक और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।अदालत परिसरों की सुरक्षा और अपराधियों के नियंत्रण के मुख्य उपाय इस प्रकार हैं:सख्त प्रवेश नियंत्रणः प्रत्येक प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर लगाए जाएं। बिना वैध पहचान पत्र या कोर्ट पास के किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित हो।सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए परिसर के चारों ओर, गेट और गलियारों में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाकर एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से 24 घंटे निगरानी की जाए। पुलिस विभाग द्वारा अदालत परिसरों के लिए एक विशेष और प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा बल तैनात किया जाए।यातायात और पार्किंग नियमन अदालत के आसपास अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ पर पूरी तरह रोक हो, ताकि संदिग्ध वाहनों या व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके।खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाईः स्थानीय पुलिस को अपराधियों की टोह लेने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश हों।

इसके साथ ही अदालतों में पुलिस की तैनाती बढ़ा कर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने की जरूरत है ताकि वहां खूनखराबे और मारकाट की घटनाओं के चलते न्याय प्रक्रिया में बाधा न पड़े।

फायर ब्रिगेड बनी विधायक जी का वाशिंग सेंटर, दमकल के पानी से चमकाई गई गाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली से बीजेपी विधायक रामनिवास शाह के सरकारी आवास के बाहर उनकी निजी इनोवा कार को दमकल की गाड़ी से धोए जाने का वीडियो वायरल हुआ है. सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर उठे सवालों के बीच विधायक ने ड्राइवर को डांटने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया. मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है.

सिंगरौली (विधानसभा सीट 80) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामनिवास शाह के बिलौंजी स्थित शासकीय आवास के बाहर उनकी निजी इनोवा कार को नगर निगम के दमकल (फायर ब्रिगेड) वाहन से धोते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल हो रहे 23 और 12 सेकेंड के वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि फायर ब्रिगेड के तीन कर्मचारी दमकल वाहन के हाई-प्रेशर पाइप से सड़क पर खड़ी विधायक की निजी इनोवा कार की धुलाई कर रहे हैं. आपातकालीन सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली दमकल गाड़ी और कर्मचारियों को विधायक की कार धोते देख स्थानीय निवासियों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है. आम जनता इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे टैक्सपेयर्स के पैसों और सरकारी संसाधनों का खुला दुरुपयोग बता रही है.

विधायक रामनिवास शाह की सफाई

इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी विधायक रामनिवास शाह ने कहा, 'वीडियो हमने भी देखा है. कोई भी विधायक या सांसद अपनी गाड़ी अपने हाथों से तो धोता नहीं है. ड्राइवर ने मुझे बताया कि दमकल की गाड़ी नगर निगम महापौर/अध्यक्ष के घर में पानी भरने आई थी. संयोग से मेरी गाड़ी वहां खड़ी थी, तो उसने थोड़ा सा पानी मार दिया. मैंने ड्राइवर को डांटा है कि यह सब काम नहीं करना चाहिए, बस इतनी ही बात है.' विधायक भले ही इसे मामूली बात बताकर टालने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन आपातकालीन गाड़ियों के इस तरह निजी कामों में इस्तेमाल को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है.

कभी कंधे पर तो कभी उफनते पानी में... सिवनी में ऐसे स्कूल जाते हैं बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के लखनादौन ब्लॉक में बारिश के बाद उफनते नाले ने ग्रामीणों की मुश्किल बढ़ा दी है. धौरीया और धाधर टोला के बीच स्कूली बच्चे तेज बहाव वाले नाले को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं. मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में बारिश ने स्कूली बच्चों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है. लखनादौन ब्लॉक की ग्राम पंचायत गुंगवारा में धौरीया और धाधर टोला के बीच उफनते नाले को पार कर बच्चे स्कूल जाने को मजबूर हैं. जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें छात्राएं एक-दूसरे का हाथ पकड़कर तेज बहाव वाले नाले को पार करती नजर आ रही हैं. वहीं छोटे बच्चों को परिजन कंधे और गोद में लेकर नाला पार करा रहे हैं. बताया जा रहा है कि शनिवार को हुई बारिश के बाद नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे रास्ता खतरनाक हो गया. इसके बावजूद बच्चों को स्कूल जाने और फिर वापस घर लौटने के लिए इसी रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ा. वायरल वीडियो में बच्चों और उनके परिजनों की मजबूरी साफ दिखाई दे रही है. ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के करीब 4 महीनों तक यह रास्ता उनके लिए बड़ी परेशानी बन जाता है. नाले में पानी बढ़ने के बाद बच्चों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य ग्रामीणों को भी जान जोखिम में डालकर इसे पार करना पड़ता है. कई बार पानी का बहाव इतना तेज हो जाता है कि गांव के लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाता है. ग्रामीण रामकुमार यादव ने बताया कि यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है. छोटे बच्चों से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों तक को जरूरी काम से बाहर जाना पड़ता है, लेकिन नाले में बाढ़ आने के बाद रास्ता बंद हो जाता है. मामले में लखनादौन जनपद सीईओ निलेश बर्मन ने बताया कि सहायक यंत्री के नेतृत्व में जांच दल को मौके पर भेजा गया है. जांच दल की रिपोर्ट मिलने के बाद पुल निर्माण का प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजा जाएगा. उन्होंने बताया कि यहां करीब 75 मीटर लंबे पुल की जरूरत है. इसका निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा या किसी अन्य संबंधित विभाग के माध्यम से कराया जा सकता है. ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द से जल्द पुल निर्माण की दिशा में कदम उठाएगा, ताकि हर साल बारिश के मौसम में बच्चों और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर उफनता नाला पार न करना पड़े.

अवैध संबंधों का विरोध बना कत्ल की वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। जिले से रिश्तों को कलंकित कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिले के वंगाव गांव में एक मां ने अपने ही 19 साल के जवान बेटे को मौत के घाट उतार दिया। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने में महिला के कथित प्रेमी ने उसका साथ दिया। पुलिस ने सनसनीखेज खुलासे के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। यह पूरा मामला 17 अगस्त की सुबह तब प्रकाश में आया जब 19 वर्षीय युवक का शव उसके घर में संदिग्ध अवस्था में मिला। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य या संदिग्ध मौत बताने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जब शव के गले पर निशान देखे तो मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होते ही पुलिस के होश उड़ गए और मामले की सुई सीधे तौर पर घर के अंदर के लोगों की तरफ घूम गई। पुलिस जांच में सामने आया कि मृत युवक के पिता की मौत करीब 10 साल पहले हो चुकी थी। इसके बाद से महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ रह रही थी। घर में उस शख्स की मौजूदगी को लेकर 19 वर्षीय बेटा लगातार ऐतराज जताता था और इसको लेकर आए दिन घर में विवाद व झगड़े होते रहते थे। 16 अगस्त की शाम करीब 6 बजे इसी बात को लेकर एक बार फिर तीखी बहस और झड़प हुई, जिसके बाद आरोपियों ने खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सभी को सन्न कर दिया। वारदात के दिन जब विवाद बढ़ा तो आरोपी प्रेमी ने कथित तौर पर एक रस्सी से युवक का गला घोंटना शुरू कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस दौरान सगी मां ने खुद अपने ही जवान बेटे के दोनों हाथ कसकर पकड़ रखे थे ताकि वह विरोध न कर सके। दम घुटने से मौके पर ही युवक की मौत हो गई। छिंदवाड़ा जिले के वंगाव गांव में 17 अगस्त की सुबह युवक का शव बरामद हुआ था। पति की मौत के बाद से महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ रह रही थी। घर में प्रेमी की मौजूदगी का विरोध करने पर बेटे से अक्सर झगड़ा होता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत की पुष्टि होने पर पुलिस ने पर्दाफाश किया।

वर्दी पहनी, ड्यूटी पर निकला... फिर सड़क पर लेट गया! कन्नौज में PRD जवान का वीडियो वायरल, पुलिस ने कहा- नशे में था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कन्नौज। कन्नौज में एक PRD जवान का सड़क पर लेटकर हंगामा करने का वीडियो वायरल हो रहा है. पुलिस के मुताबिक, तिर्वा क्रॉसिंग पर वर्दी में मिले राम सिंह यादव नशे की हालत में थे और Breath Analyzer जांच में 565 mg/100 ml अल्कोहल पाया गया. हालांकि जवान ने शराब पीने के आरोप से इनकार करते हुए अधिकारियों पर प्रताड़ित करने और मारपीट का आरोप लगाया है. उत्तर प्रदेश के कन्नौज में ड्यूटी पर तैनात एक PRD जवान का सड़क पर लेटकर हंगामा करने का वीडियो सोशल वायरल हो रहा है. जवान वर्दी में सड़क के बीचों-बीच लेटा दिखाई दे रहा है और उसके आसपास से वाहन गुजर रहे हैं. सूचना मिलने पर पुलिस और साथी जवान मौके पर पहुंचे और उसे सड़क से हटाने की कोशिश की. इस दौरान जवान की अपने साथियों से

धक्का-मुक्की भी हुई.मामला कन्नौज के तिर्वा क्रॉसिंग जीटी रोड का है. जवान की पहचान करीब 50 वर्षीय राम सिंह यादव के रूप में हुई है, जो खालेपुरवा गांव का रहने वाला है. राम सिंह की ड्यूटी यातायात व्यवस्था संभालने के लिए लगाई गई थी. पुलिस के मुताबिक, 25 अगस्त को राम सिंह की ड्यूटी सरायमीरा बस अड्डे पर यातायात व्यवस्था में लगी थी.इसी दौरान उसके तिर्वा क्रॉसिंग पर सड़क पर लेटकर हंगामा करने की सूचना मिली. पुलिस मौके पर पहुंची तो जवान वर्दी में सड़क पर लेटा हुआ मिला. राहगीरों और मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है.पुलिस की ओर से जारी नोट के मुताबिक, मौके पर राम सिंह नशे की हालत में पाया गया. यातायात पुलिसकर्मी ने ब्रीथ एनालाइजर से जांच की, जिसमें एल्कोहॉल की मात्रा 565 mg/100 ml पाई गई. इसके बाद उसे मेडिकल के लिए भेजा गया और ब्लड सैंपल भी जांच के लिए भेजा गया है.वायरल वीडियो में राम सिंह सड़क पर लेटा दिख रहा है. साथी जवान उन्हें वहां से हटाने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस दौरान वह उनके साथ बहस और धक्का-मुक्की करते नजर आ रहा है.इस मामले में पुलिस ने ड्यूटी के दौरान शराब पीकर लापरवाही और अनुशासनहीनता किए जाने को गंभीरता से लिया है. जिला युवा कल्याण अधिकारी कन्नौज को कार्रवाई के लिए लेटर भेजा गया है. पुलिस के मुताबिक, नियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है.हालांकि, राम सिंह यादव ने इन आरोपों को खारिज किया है. राम सिंह ने बातचीत में कहा कि मुझ पर शराब पीने का आरोप गलत है. सावन के दौरान वह शराब का सेवन नहीं करता. राम सिंह ने अधिकारियों पर ड्यूटी को लेकर प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया. राम सिंह का कहना है कि इसी परेशानी के चलते वह सड़क पर जाकर लेट गए थे.फिलहाल मामले में दो अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं. पुलिस के मुताबिक ब्रीथ एनालाइजर जांच में शराब की पुष्टि हुई है और मेडिकल जांच के लिए ब्लड सैंपल भेजा गया है, जबकि राम सिंह शराब पीने से इनकार कर रहे हैं. अब मेडिकल रिपोर्ट और विभागीय जांच से स्थिति और स्पष्ट होगी. फिलहाल ड्यूटी के दौरान वर्दी में सड़क पर हंगामा करने का वीडियो चर्चा में है.

प्रेमी से भरवाई पत्नी की मांगः शादी के डेढ़ महीने बाद पति ने दोनों को अर्धनग्न हालत में था पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। झांसी में शादी के महज डेढ़ महीने बाद पत्नी को प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़े जाने के मामले में नया मोड़ आ गया है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नए वीडियो में प्रेमी महिला की सात बार मांग भरता और जयमाला पहनाता नजर आ रहा है. झांसी के चिरगांव थाना क्षेत्र में शादी के डेढ़ महीने बाद एक पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया. अब इस घटना के दो नए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वायरल वीडियो में प्रेमी से महिला की 7 बार मांग भरवाई जा रही है और दोनों एक-दूसरे को वरमाला पहना रहे हैं. दरअसल, 24 जून को मध्य प्रदेश के भांडेर की युवती से शादी करने वाले पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि पत्नी उसे नींद की दवा देकर प्रेमी से मिलती थी और पकड़े जाने पर मारपीट भी की गई. घटना के

बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को फैमिली कोर्ट जाने की सलाह दी है. सोशल मीडिया पर सामने आए दो वीडियो में से एक में प्रेमी महिला की 7 बार मांग भरता और माला पहनाता दिखाई दे रहा है. दूसरे वीडियो में पीछे से आवाज आ रही है कि यह काम ससुराल के बजाय मायके में होना चाहिए था. वीडियो में लोग कह रहे हैं कि दोनों ने बहुत गलत किया है और सरकार से दोनों को जेल भेजने का निवेदन किया जा रहा है ताकि दोनों साथ रह सकें. पीड़ित पति ने बताया कि शादी के 2-3 हफ्ते बाद से ही पत्नी उसे चाय, दूध या खाने में मिलाकर नींद की गोली देने लगी थी ताकि वह अपने प्रेमी से बात कर सके. तबीयत बिगड़ने पर पति को शक हुआ. 19 अगस्त को मोहल्ले वालों ने प्रेमी के आने की जानकारी दी, जिसे पत्नी ने नकार दिया. इसके बाद 23 अगस्त को पति ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया. पति का आरोप है कि रंगेहाथ पकड़े जाने पर प्रेमी ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाने का प्रयास किया, जबकि पत्नी ने उसके हाथ पकड़ लिए थे. शोर सुनकर आए पड़ोसियों ने उसे बचाया, जिसके बाद पुलिस बुलाई गई. मामले में झांसी पुलिस मीडिया सेल ने 'ङ्ग' पर जानकारी दी कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और महिला प्रेमी के साथ रहना चाहती है, इसलिए दोनों पक्षों को पारिवारिक अदालत जाने की सलाह दी गई है.

सीएम मोहन यादव ने किया पेंडिंग प्रमोशन का ऐलान...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के लाखों सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने लंबित पड़े प्रमोशन के मामलों को निबटाने के लिए इस साल से सभी विभागों में विभागीय प्रमोशन कमेटियों की प्रक्रिया शुरू करने का बड़ा फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अब यह प्रक्रिया अटकी नहीं रहेगी, बल्कि हर साल नियमित रूप से आयोजित की जाएगी ताकि पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर उनका हक मिल सके।

मंत्रालय में सम्मान समारोह के दौरान किया ऐलान

मंत्रालय में आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुएमुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार कर्मचारियों को सभी देय वेतन, भत्ते और प्रमोशन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इन लाभों को कर्मचारियों का अधिकार करार देते हुए कहा कि समय पर मिलने वाले इन फायदों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और उनके परिवारों में खुशियां आती हैं। सरकार के इस कदम से लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों में एक नई उम्मीद जगी है।

ग्वालियर को पंजाब-हरियाणा से आगे ले जाने का संकल्प

एक अन्य कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री ने वर्चुअली रूप से ग्वालियर जिले के डबरा में आयोजित 'बलराम कृषि महाउत्सव' को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के किसानों का आह्वान किया कि वे पारंपरिक फसलों से आगे बढ़कर प्राकृतिक खेती और उन्नत पशुपालन को अपनाएं ताकि उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। सीएम ने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी जमीन की क्षमता का आकलन कर उसके अनुसार ही फसलों और सहायक गतिविधियों का चुनाव करें। मध्य प्रदेश सरकार ने सभी विभागों में पेंडिंग प्रमोशन क्लीयर करने के लिए DPC प्रक्रिया शुरू की। सीएम मोहन यादव ने कहा कि कर्मचारियों को समय पर प्रमोशन देना सरकार की प्राथमिकता है। डबरा (ग्वालियर) में बलराम कृषि महाउत्सव के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि ग्वालियर संभाग कृषि, शिक्षा और डिफेंस के दम पर पंजाब-हरियाणा को भी पीछे छोड़ सकता है।

कृषि के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों से मुकाबला

ग्वालियर संभाग की संभावनाओं पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, रक्षा, कृषि, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी उत्पादन के क्षेत्र में यह क्षेत्र बेहद मजबूत है। उन्होंने विश्वास जताया कि सही दिशा में किए जा रहे प्रयासों के चलते आने वाले समय में ग्वालियर कृषि के मामले में पंजाब और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्यों को भी कड़ी टक्कर देगा और उनसे आगे निकल जाएगा।

तूफानी स्पीड से दौड़ी हूटर बजाती स्कॉर्पियो, पोल को उड़ाया और फिर दुकान में घुस गई, CCTV में कैद पूरा कांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया ।औरैया के दिबियापुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का CCTV वीडियो सामने आया है. हूटर बजाते हुए सड़क पर दौड़ रही स्कॉर्पियो अचानक बेकाबू होकर बिजली के पोल से टकराई और फिर सामने की दुकान में जा घुसी. हादसे के वक्त सड़क पर कोई राहगीर मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया. फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर CCTV फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है.यूपी के औरैया से एक ऐसा CCTV वीडियो सामने आया है, जो हैरान कर देने वाला है. वीडियो में एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में हूटर बजाते हुए सड़क पर आती दिखाई देती है. फिर अचानक गाड़ी बेकाबू होती है. सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकराती है. पोल धड़ाम से जमीन पर गिरता है और स्कॉर्पियो सीधे सामने की दुकान के शटर में जा घुसती है. गनीमत रही कि जिस वक्त ये पूरा तमाशा हुआ, सड़क पर कोई राहगीर या दुकान के सामने कोई व्यक्ति चपेट में नहीं आया.मामला औरैया के दिबियापुर थाना क्षेत्र की कंचौसी चौकी के तहत रेलवे स्टेशन रोड का है. हादसा इंटर कॉलेज के पास हुआ. बाहर लगे CCTV कैमरे

में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई. वीडियो शुरू होता है तो एक सफेद स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में आती दिखाई देती है. गाड़ी का हूटर बज रहा है. कुछ ही पल बाद वाहन अचानक बेकाबू हो जाता है और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराता है. टक्कर इतनी जोरदार होती है कि पोल जमीन पर गिर जाता है. लेकिन गाड़ी वहीं नहीं रुकती. पोल से टकराने के बाद स्कॉर्पियो सीधे सामने मौजूद दुकान के शटर की तरफ जाती है और उसमें जा घुसती है. यानी कुछ सेकेंड में गाड़ी ने पहले सड़क पर दौड़ लगाई, फिर पोल गिराया और आखिर में दुकान के शटर को भी नहीं छोड़ा. ष्टष्टञ्जङ्क में स्कॉर्पियो के अंदर दो लोग दिखाई दे रहे हैं. हादसा होते ही एक युवक गाड़ी से नीचे उतरता है और उसे पीछे करने की कोशिश करता है. इसके बाद चालक भी बाहर आता है और वाहन की हालत देखने लगता है. स्थानीय स्तर पर दावा है कि स्कॉर्पियो चला रहा व्यक्ति नाबालिग था. पुलिस की ओर से दर्ज शिकायत में भी नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने की बात कही गई है. हालांकि चालक की उम्र और हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था, इसकी पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही होगी. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. कंचौसी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सौरभ सिंह ने दिबियापुर थाने में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने ई-चालान एप के जरिए वाहन की जानकारी निकाली. यह वाहन रामकुमार निवासी कंचौसी बाजार दिबियापुर औरैया के नाम दर्ज है. अब पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था और उसमें सवार दूसरे व्यक्ति की पहचान क्या है. दिबियापुर थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि स्कॉर्पियो बेकाबू होकर दुकान में घुसी थी. CCTV फुटेज के आधार पर वाहन और उसमें सवार लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, गाड़ी में एक नाबालिग समेत दो लोगों के सवार होने की जानकारी सामने आई है. फिलहाल मामले की जांच चल रही है

राजगढ़ में बड़ली माता मंदिर तोड़े जाने पर बवाल, 15 गांवों के चंदे से बन रहे खाटू श्याम मंदिर पर चला प्रशासन का बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। जिले में आस्था और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच टकराव का बड़ा मामला सामने आया है। ब्यावरा तहसील के लखनवास क्षेत्र में बड़ली माता मंदिर पहाड़ी पर बन रहे खाटू श्याम मंदिर को प्रशासन ने जेसीबी चलाकर जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान 100 से अधिक पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा, जिसने करीब 2 हजार वर्ग फीट में चल रहे निर्माण को पूरी तरह हटा दिया। घटना के बाद से ग्रामीण और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं।

15 गांवों के चंदे से खड़ा हो रहा था आस्था का केंद्र

ग्रामीणों का दावा है कि यह मंदिर किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि आसपास के लगभग 15 गांवों के लोगों की आस्था का केंद्र था। सभी ने आपस में चंदा इकट्ठा कर खाटू श्याम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कराया था। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते या विरोध दर्ज कराते, तब तक प्रशासनिक बुलडोजर ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि प्रशासन ने कार्रवाई से पहले न तो कोई नोटिस दिया और न ही उन्हें अपना पक्ष रखने का कोई मौका दिया। खाटू श्याम जी मंदिर में भक्तों के लिए खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन का समयः सर्दियों में (अक्टूबर से मार्च तक) - सुबह 5:30 से शाम 9:00 बजे तक, रात्रि में 6:30 से 9:00 बजे तक। गर्मियों में (अप्रैल से सितंबर तक) - सुबह 4:30 से शाम 10:00 बजे तक, रात्रि में 5:30 से 10:00 बजे तक। इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पहाड़ी पर क्रेशर मशीन स्थापित करने और अवैध खनन के लिए रास्ता साफ करने की नीयत से यह कार्रवाई की गई है। उनका कहना है कि इलाके में लंबे समय से अवैध खनन और ब्लास्टिंग की शिकायतें की जा रही थीं, जिस पर प्रशासन आंखें मूंदकर बैठा रहा, लेकिन जब ग्रामीणों ने अपनी आस्था से मंदिर बनवाया तो तुरंत हथौड़ा चला दिया गया। राजगढ़ की ब्यावरा तहसील के लखनवास में बड़ली माता पहाड़ी पर हुई कार्रवाई। 100 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में 2 हजार वर्ग फीट में चल रहा निर्माण हटाया गया। 15 गांवों के ग्रामीणों ने आपसी चंदे से खाटू श्याम मंदिर का निर्माण शुरू कराया था। ग्रामीणों ने क्रेशर और अवैध खनन के लिए मंदिर गिराने का गंभीर आरोप लगाया है।

'धर्म नहीं बदलूंगी, चाहे कुछ भी हो' बागपत की आशमा बनी पूजा तो मुस्लिम पड़ोसियों ने ढाया जुल्म! FIR दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत।बागपत में धर्म परिवर्तन कर आयशा से पूजा बनी महिला ने पड़ोसियों पर घर का मंदिर तोड़ने, मूर्तियां खंडित करने और जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.बागपत में आशमा से पूजा बनी महिला के आरोपों से हड़कंप मच गया है. आरोप है कि हिंदू धर्म अपनाने पर पड़ोसी मुस्लिम परिवार ने उसके घर में बना मंदिर तोड़ दिया. देवी -देवताओं की मूर्तियां खंडित करने और दीवार पर बनी गाय का चित्र मिटाने का भी आरोप है. महिला के मुताबिक, छोटी बेटी पर उर्दू पढ़ने का दबाव बनाया जाता है. यहां तक कि उनके होली -दीवाली मनाने पर भी एतराज जताया जाता है. पूजा का आरोप है कि उस पर दोबारा मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव है. अब महिला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद और सुरक्षा की गुहार लगाई है.दरअसल, मामला बागपत शहर के ईदगाह मोहल्ले का बताया जा रहा है. यहां रहने वाली महिला ने अपना नाम पूजा बताते हुए कहा कि शादी से पहले उसका नाम आयशा था. महिला के अनुसार, वह मूल रूप से गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र की रहने वाली है. वर्ष 2001 में उसने मुरादाबाद में धर्म परिवर्तन के बाद मदनपाल नाम के हिंदू युवक से प्रेम विवाह किया था. शादी के बाद वह हिंदू धर्म में ही रह रही है.पूजा ने बताया कि शादी के बाद उसकी तीन बेटियां हुई. पति की मौत हो चुकी है और अब वह बागपत में रहकर अपनी बेटियों के साथ जीवन बिता रही है. उसका कहना है कि उसने अपनी बड़ी बेटी की शादी हिंदू परिवार में की है, जबकि दूसरी बेटी का रिश्ता भी हिंदू परिवार में तय किया है. महिला का दावा है कि वह हिंदू धर्म अपनाने के बाद खुश है और आगे भी इसी धर्म में रहना चाहती है.पूजा का आरोप है कि उसने अपने घर में पूजा-पाठ के लिए छोटा सा मंदिर बना रखा था. घर की दीवार पर गाय का चित्र भी बनाया गया था. महिला के मुताबिक सुलेमान व उसके बेटे नूर मुहम्मद सहित कुछ लोगों ने उसके घर में घुसकर हंगामा किया और मंदिर को तोड़ दिया. आरोप है कि मंदिर में रखी मूर्तियों को खंडित कर दिया गया. दीवार पर बने गाय के चित्र को भी मिटा दिया गया. उसका कहना है कि उस परिवार का बेटा मुफ्ती है. मुस्लिम से हिंदू बनने पर उसके परिवार को लेकर आपत्ति जताई जा रही है. उस पर मुस्लिम धर्म मे वापसी का दबाव बनाया जा रहा है।

लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo 6E231 फ्लाइट में बम की धमकी

सुरक्षित उतरा विमान; जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo फ्लाइट 6श्व231 में लैंडिंग से पहले बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लखनऊ से बेंगलुरु जा रही IndiGo की फ्लाइट 6E231 में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। बुधवार को फ्लाइट के बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पहुंचने से ठीक पहले क्रू को धमकी की जानकारी मिलने की बात सामने आई। विमान ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी।मिली जानकारी के मुताबिक, धमकी की सूचना विमान की अंतिम लैंडिंग प्रक्रिया के दौरान सामने आई। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट किया गया और विमान की जांच की जा रही है।फ्लाइट 6E231 ने बुधवार सुबह लखनऊ से उड़ान भरी थी और बेंगलुरु पहुंची। उपलब्ध फ्लाइट-स्टेटस रिकॉर्ड के मुताबिक विमान ने बेंगलुरु में सुरक्षित लैंडिंग की। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। विमान की तलाशी और धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है।

डिप्टी मेयर के रेनोवेटेड दफ्तर में दोबारा लगी फोटो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मालेगांव। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मालेगांव महानगरपालिका में टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर एक बार फिर राजनीतिक विवाद गहराता नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी की पार्षद और डिप्टी मेयर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के रेनोवेटेड कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर दोबारा लगाई गई है। कार्यालय में टीपू सुल्तान के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. भीमराव आंबेडकर और अन्य प्रमुख ऐतिहासिक एवं सामाजिक हस्तियों के चित्र भी लगाए गए हैं। दरअसल, इसी साल फरवरी में डिप्टी मेयर का पद संभालने के बाद उनके कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर विवाद सामने आया था। भाजपा और शिवसेना से जुड़े नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने तस्वीर लगाए जाने का विरोध किया था और इसे हटाने की मांग की थी। विरोध बढ़ने के बाद तस्वीर को कार्यालय से हटा दिया गया था। उस समय शान-ए-हिंद निहाल अहमद ने टीपू सुल्तान को एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व बताते हुए कार्यालय में उनकी तस्वीर लगाने को अपना अधिकार बताया था। अब कार्यालय के नवीनीकरण के बाद तस्वीर दोबारा दिखाई देने का दावा सामने आने से पुराना विवाद फिर सुर्खियों में आ गया है। तस्वीर को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं और मामला महाराष्ट्र सरकार के मंत्री तथा मालेगांव के प्रमुख नेता दादा भुसे तक भी पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि दादा भुसे ने तस्वीर हटाए जाने के संकेत दिए हैं। इसके बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और विरोध की संभावना बढ़ गई है। मालेगांव में ऐतिहासिक और राजनीतिक हस्तियों की तस्वीरों को सार्वजनिक कार्यालयों में लगाए जाने को लेकर पहले भी कई बार विवाद सामने आते रहे हैं। ऐसे में टीपू सुल्तान की तस्वीर दोबारा लगाए जाने के दावे ने एक बार फिर स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है। एक ओर समर्थक इसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व के सम्मान से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विरोध करने वाले संगठन और राजनीतिक दल इस तस्वीर को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। फिलहाल सभी की नजर मालेगांव महानगरपालिका प्रशासन और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व के अगले कदम पर है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि रेनोवेटेड कार्यालय

में लगी तस्वीर को प्रशासन यथावत रहने देता है या राजनीतिक विरोध के बाद इसे दोबारा हटाया जाता है। तस्वीर को लेकर आगे कोई आधिकारिक निर्णय सामने आने के बाद ही विवाद की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

दिल्ली में मिठाई दुकानों और मंडियों पर बड़ा छापा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रक्षाबंधन और आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए दिल्ली सरकार के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने मिलावटखोरी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर मिठाई निर्माण इकाइयों, मंडियों, बाजारों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में लगातार जांच की जा रही है। अभियान के दौरान ओखला, बादली, निहाल विहार और नरेला की मिठाई निर्माण इकाइयों के साथ ओखला सब्जी मंडी और घंटाघर सब्जी मंडी समेत कई संवेदनशील इलाकों में निरीक्षण किया गया। कार्रवाई में करीब 131 किलो एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री बरामद हुई, जिसमें खोया, बेसन और आटा शामिल था। विभाग ने इसे मौके पर ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा पनीर, खोया, घी, मिठाइयों समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के 37 सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। त्योहारी सीजन में दूध, पनीर, खोया, घी और मिठाइयों की मांग बढ़ने को देखते हुए इन उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्लीवासियों की सेहत और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को पूरे शहर में सख्त निगरानी, नियमित जांच और सैंपलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। खास तौर पर डेयरी उत्पादों, मिठाइयों और अधिक मांग वाली खाद्य वस्तुओं पर विभाग की नजर रहेगी।

दिल्ली में ISI के जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश, पति-पत्नी गिरफ्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ से जुड़े कथित जासूसी नेटवर्क का खुलासा करते हुए दिल्ली-एनसीआर के रहने वाले पति-पत्नी साहिल और समीरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंटों के संपर्क में थे और कथित तौर पर पैसे के बदले नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 2024 और 2025 के दौरान कुल 8 भारतीय स्ढ्ढरू कार्ड हासिल कर दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजे। इन सिम कार्ड से पाकिस्तान में व्हाट्सऐप अकाउंट संचालित किए गए और इनके जरिए भारतीय लोगों से संपर्क कर संवेदनशील जानकारी जुटाने के साथ कुछ भारतीय व्हाट्सऐप ग्रुप में भी घुसपैठ की गई। पुलिस का दावा है कि इसके बदले पाकिस्तानी हैंडलर्स ने दोनों को करीब 30 हजार रुपये दिए। स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज को आतंकी संगठनों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दिए जाने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय कथित ढ्ढस्ढ्ढ नेटवर्क का पता चला। पुलिस के अनुसार साहिल 2024 में इंस्टाग्राम के जरिए एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था। बाद में उसकी दोस्त समीरा भी इस नेटवर्क से जुड़ गई और दोनों को एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव ने अपने नेटवर्क के लिए काम करने के लिए तैयार किया। पुलिस का आरोप है कि साहिल को कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी करने और अन्य लोगों को नेटवर्क में भर्ती करने का काम भी सौंपा गया था। उसने सेना के कुछ जवानों से जुड़ी जानकारी भी कथित तौर पर साझा की। साहिल की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल की फॉरेंसिक जांच में पाकिस्तानी हैंडलर्स के साथ संदिग्ध चैट मिलीं। पूछताछ में पत्नी समीरा की भूमिका सामने आने के बाद उसे भी गिरफ्तार किया गया। समीरा नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम करती थी। दोनों के मोबाइल फोन से पाकिस्तानी हैंडलर्स के साथ बातचीत के अहम सबूत मिलने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस ने मामले को आगे की जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मुस्कान मर्डर केस: फरार आरोपी इमरान का पुलिस एनकाउंटर, दोनों पैरों में लगी गोली

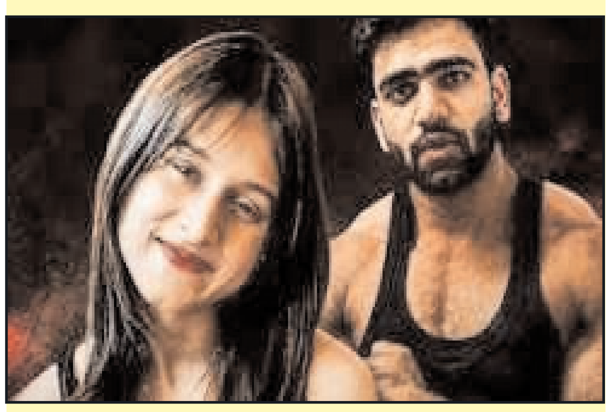

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में 21 वर्षीय छात्रा और पार्ट-टाइम मॉडल मुस्कान की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी इमरान का पुलिस के साथ एनकाउंटर हुआ है। पश्चिमी दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान इमरान के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस आरोपी का इलाज कराने के साथ उससे पूछताछ की तैयारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मुस्कान की हत्या के बाद से ही इमरान लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में कई संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी दौरान उसके बारे में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी और उसे काबू में कर लिया गया। जांच में सामने आया है कि मुस्कान और इमरान एक-दूसरे को एक साल से अधिक समय से जानते थे। दोनों के बीच कथित प्रेम संबंध भी थे। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से उनके रिश्ते में तनाव बढ़ गया था। बताया जा रहा है कि मुस्कान इमरान से दूरी बनाना चाहती थी, जबकि इमरान रिश्ते को दोबारा ठीक करने की कोशिश कर रहा था। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इमरान को कथित तौर पर शक था कि मुस्कान किसी अन्य युवक के संपर्क में है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ने लगा था। वारदात से कुछ दिन पहले दोनों की एक रेस्टोरेंट में मुलाकात भी हुई थी। पुलिस अब इस मुलाकात और उसके बाद हुई घटनाओं की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। शुरुआती जांच के मुताबिक, इमरान को जब पता चला कि मुस्कान घर में अकेली है, तो वह उससे बातचीत करने और कथित तौर पर सामना करने के इरादे से वहां पहुंचा। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसी दौरान मुस्कान की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। अब पुलिस की हिरासत में आने के बाद इमरान से हत्या की पूरी वारदात, विवाद की वजह, घटनास्थल पर उसकी मौजूदगी और फरारी के दौरान उसके ठिकानों को लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या की साजिश पहले से बनाई गई थी या विवाद के दौरान अचानक वारदात हुई। पूछताछ और जांच के बाद मामले में कई अहम तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

रक्षाबंधन पर सुप्रिया सुले को याद आए दादा अजित पवार

राखी बांधते हुए पुरानी तस्वीर साझा कर लिखा भावुक संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रक्षाबंधन के मौके पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने अपने दिवंगत भाई अजित पवार को याद करते हुए सोशल मीडिया पर राखी बांधने की पुरानी तस्वीर साझा की। भावुक संदेश में उन्होंने बचपन की यादों को ताजा किया और कहा कि भाई के चले जाने से उनके जीवन में जो खालीपन आया है, वह कभी नहीं भर सकता। सुप्रिया सुले ने अपने संदेश की शुरुआत 'प्यारे दादा' कहकर की। उन्होंने लिखा कि इस बार रक्षाबंधन पर अजित पवार उनके साथ नहीं हैं और यह एहसास उन्हें बेहद बेचैन कर रहा है। उन्होंने बचपन में साथ बड़े होने, आपसी लड़ाइयों, प्यार और एक-दूसरे पर गर्व करने जैसी यादों को साझा किया। सुले ने लिखा कि आज भी उन्हें ऐसा लगता है कि अजित पवार अचानक कहीं से वापस आ जाएंगे, उन्हें राखी बांधने देंगे, बहनों के साथ हंसी-मजाक करेंगे और परिवार का हिस्सा बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी कमी से पैदा हुआ खालीपन कभी नहीं भरा जा सकता। पोस्ट के अंत में उन्होंने भाई के प्यार और आशीर्वाद के हमेशा साथ बने रहने की कामना की। अजित पवार का 28 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र के बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया था। लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड विमान

दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी। हादसा सुबह करीब 8:45 बजे बारामती हवाई अड्डे पर हुआ था। उस समय अजित पवार 66 वर्ष के थे और जिला परिषद चुनावों से जुड़ी एक सार्वजनिक सभा के लिए बारामती जा रहे थे।

2.68 लाख की ठगी; बांग्लादेश तक जुड़े साइबर ठगों के तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

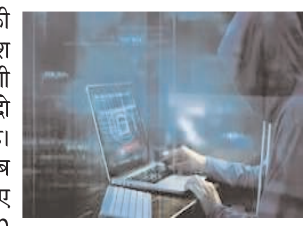

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली की साइबर वेस्ट थाना पुलिस ने बांग्लादेश से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 25 लाख रुपये कीमत के 45 नए महंगे मोबाइल फोन समेत कुल 50 मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपियों पर सोशल मीडिया विज्ञापन और फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर लोगों से ठगी करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 7 अगस्त को एक व्यक्ति ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित को इंस्टाग्राम पर एक बड़े बैंक का विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन में दिए नंबर पर संपर्क करने के बाद व्हाट्सऐप पर बातचीत शुरू हुई। आरोपी ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर पीड़ित का भरोसा जीता और उसके मोबाइल में एक फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया। इसके जरिए व्यक्तिगत और क्रेडिट कार्ड से जुड़ी जानकारी हासिल कर ली गई। इसके बाद पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से 2.68 लाख रुपये के महंगे मोबाइल फोन खरीद लिए गए। जांच में पुलिस को पता चला कि ठगी की रकम से खरीदे गए मोबाइल फोन की डिलीवरी लखनऊ, कोलकाता और धनबाद में हुई थी। वहीं, फर्जी सिम कार्ड के तार पश्चिम बंगाल के 24 परगना से जुड़े मिले। इसके बाद पुलिस ने लखनऊ के एक होटल में छापा मारकर 21 वर्षीय मोहम्मद राशिद नियाज उर्फ दानिश को 19 मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। राशिद से पूछताछ के बाद पुलिस ने कोलकाता निवासी 29 वर्षीय मोहम्मद आसिफ को भी गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 31 नए मोबाइल फोन बरामद हुए। इस तरह दोनों आरोपियों से कुल 50 मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस को बरामद मोबाइल फोन में विदेशी गिरोह के सदस्यों के साथ बातचीत से जुड़े संदिग्ध संदेश भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह सोशल मीडिया पर बैंक और क्रेडिट कार्ड से जुड़े विज्ञापनों के जरिए लोगों को निशाना बनाता था। फर्जी बैंक कर्मचारी बनकर व्हाट्सऐप पर संपर्क किया जाता और फिर पीड़ित से एक फर्जी ऐप डाउनलोड करवाकर उसकी निजी और बैंकिंग जानकारी हासिल की जाती थी। इसी दौरान पीड़ित को फोन पर बातचीत में उलझाकर उसके क्रेडिट कार्ड से महंगे सामान की खरीदारी कर ली जाती थी। जांच में यह भी सामने आया है कि ठगी से खरीदे गए मोबाइल फोन को अलग-अलग राज्यों के जरिए आगे भेजा जाता था और कमीशन के बदले इन्हें बांग्लादेश भेजे जाने की आशंका है। पुलिस अब पैसों के लेनदेन, तकनीकी साक्ष्यों और बरामद मोबाइल फोन से मिले संदेशों के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

नेपाल बाढ़ में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए मुंबई के डॉक्टर-पर्वतारोही पत्नी समेत लापता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान मुंबई के अंधेरी ईस्ट निवासी डॉक्टर और अनुभवी पर्वतारोही डॉ. मिलिंद चिटले अपनी पत्नी जान्हवी के साथ लापता हो गए हैं। नेपाल में बाढ़ और खराब मौसम के बीच दोनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। डॉ. चिटले ने 23 अगस्त को 61 लोगों के एक समूह के साथ यात्रा शुरू की थी और वह पत्नी के साथ खुद भी इस यात्रा में शामिल थे। डॉ. चिटले का अंधेरी ईस्ट के मालपा डोंगरी इलाके में क्लिनिक है। क्लिनिक के बाहर लगाए गए नोट में मरीजों को बताया गया है कि डिस्पेंसरी 24 अगस्त से 6 सितंबर तक बंद रहेगी। इसी अवधि में वह कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। दोनों के लापता होने की जानकारी सामने आने के बाद

मरीजों और परिचितों में चिंता बढ़ गई है। करीब 30 वर्षों से पर्वतारोहण कर रहे डॉ. चिटले ने हिमालय क्षेत्र में 3,000 से अधिक ट्रेल्स और पर्वतीय अभियानों में हिस्सा लिया है। वर्ष 2005 में उन्हें 'गिरिमित्र अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 'हिल्स एंड ट्रेल्स' नाम की साहसिक खेल कंपनी भी शुरू की थी। 8,000 मीटर से अधिक ऊंचे पर्वतों पर जाने वाले शुरुआती भारतीय नागरिक अभियानों में वह 'क्लाइंबिंग डॉक्टर' की भूमिका भी निभा चुके हैं। डॉ. चिटले ने कंचनजंगा पर्वत पर 23 हजार फीट से अधिक ऊंचाई तक चढ़ाई की थी। पर्वतारोहण के अलावा उन्हें लंबी दूरी की साइकिलिंग का भी शौक था। उन्होंने मुंबई से गोवा और मुंबई से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्राएं की थीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, डॉ. चिटले मिलनसार और मददगार स्वभाव के व्यक्ति हैं और लंबे समय से इलाके के मरीजों से जुड़े हुए हैं। नेपाल में बाढ़ और यात्रा के दौरान संपर्क टूटने की खबर के बाद उनके मरीज, पड़ोसी और परिचित दोनों की सुरक्षित वापसी को लेकर चिंतित हैं।

नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों से मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया वीडियो कॉल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। नेपाल में बाढ़ के कारण बिगड़े हालात के बीच महाराष्ट्र के कई पर्यटक वहां फंस गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को वीडियो कॉल के जरिए नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों से बातचीत कर उनका हाल जाना। उन्होंने पर्यटकों को भरोसा दिलाया कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है और राज्य सरकार उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने पर्यटकों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। फडणवीस ने अधिकारियों से कहा कि नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षित निकासी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। फडणवीस ने इस मामले में विदेश मंत्रालय से भी संपर्क किया और नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षित निकासी में मदद करने का आग्रह किया। केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि प्रभावित पर्यटकों को जल्द से जल्द महाराष्ट्र वापस लाया जा सके। मुख्यमंत्री ने नेपाल के सांसद संदीप राणा से भी बातचीत की। दोनों के बीच नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा और उनकी निकासी को लेकर चर्चा हुई। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में महाराष्ट्र सरकार अपने नागरिकों के साथ खड़ी है। प्रशासन स्थिति

पर लगातार नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने पर्यटकों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

गैर-मराठी टैक्सी चालकों को राहत, मुख्यमंत्री फडणवीस ने लाइसेंस रद्द करने के फैसले पर लगाई रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो, टैक्सी और कैब चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता की समय सीमा एक साल बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस अतिरिक्त अवधि में भाषा के आधार पर किसी चालक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार का कहना है कि कई उम्रदराज चालक मराठी सीखना चाहते हैं, लेकिन उन्हें नई भाषा समझने और सीखने में समय लग रहा है। ऑटो और टैक्सी यूनियनों के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि यूनियनों ने मराठी भाषा सीखने की अनिवार्यता का स्वागत किया है, लेकिन इसके लिए अधिक समय मांगा था। सरकार ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए समय सीमा एक साल बढ़ाने का फैसला किया है। इस दौरान चालकों को मराठी सीखने का अवसर

दिया जाएगा और उनके खिलाफ लाइसेंस या परमिट संबंधी कार्रवाई नहीं होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार का उद्देश्य हिंदी भाषी या दूसरे राज्यों से आए लोगों को मराठी का विशेषज्ञ बनाना नहीं है। उनसे केवल रोजमर्रा के कामकाज के लिए जरूरी व्यावहारिक मराठी सीखने की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि महायुति सरकार भाषा के आधार पर किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। मराठी भाषा की अनिवार्यता का मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक भी पहुंच चुका है। मोहम्मद कासिम अहमद समेत चार ऐप आधारित कैब चालकों ने नियम के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया कि भाषा संबंधी यह नियम संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आशंका जताई थी कि नियम लागू होने से महाराष्ट्र में करीब 9.65 लाख गरीब और प्रवासी चालकों के बैज निलंबित या परमिट रद्द हो सकते हैं, जिससे उनके रोजगार पर संकट खड़ा हो सकता है। सरकार द्वारा समय सीमा एक साल बढ़ाए जाने से फिलहाल ऐसे चालकों को बड़ी राहत मिली है।

100 साल पुराने दिल्ली रेस क्लब पर कार्रवाई; घुड़दौड़ का दौर खत्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लुटियंस दिल्ली में करीब 100 साल पुराने दिल्ली रेस क्लब पर केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 53 एकड़ परिसर का कब्जा ले लिया है। कब्जा लेने के बाद परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी गई, जिसके साथ ही क्लब में लंबे समय से चल रही घुड़दौड़ की गतिविधियां अचानक बंद हो गईं। मामला मार्च में शुरू हुआ था, जब भूमि एवं विकास कार्यालय ने क्लब को सरकारी जमीन खाली करने का नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 26 मई को क्लब के खिलाफ बेदखली की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया था। इसके बाद 11 अगस्त को एस्टेट अधिकारी ने सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत क्लब को 15 दिनों के भीतर परिसर खाली करने का आदेश दिया। मंगलवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने क्लब की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बेदखली आदेश पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने लोक कल्याण मार्ग स्थित परिसर का कब्जा ले लिया। क्लब अधिकारियों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान अस्तबल, घुड़दौड़ का सट्टा क्षेत्र, विजयी पोस्ट, फोटो-फिनिश कैमरा और घोड़ों की तैयारी से जुड़े कई पुराने ढांचे गिरा दिए गए। क्लब परिसर में 250 से अधिक घोड़े मौजूद थे। इनमें करीब 200 घोड़ों को उनके मालिक वापस ले जा चुके हैं, जबकि लगभग 50 घोड़े अभी परिसर में हैं। इनमें से कई घोड़ों की कीमत उनकी नस्ल और रेसिंग रिकॉर्ड के आधार पर 3 लाख से 50 लाख रुपये तक बताई जा रही है। 1940 के दशक में बनाए गए पुराने अस्तबल दिल्ली की गर्मी से घोड़ों को बचाने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए थे। यह क्लब सेंट्रल गोल्फ लिंक रोड पर प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के सामने स्थित है। करीब एक सदी पुराने इस परिसर पर हुई कार्रवाई के बाद दिल्ली में ऐतिहासिक रेस क्लब और यहां होने वाली घुड़दौड़ का एक लंबा दौर समाप्त होता नजर आ रहा है।

नौशेरा में एलओसी पर आतंकी घुसपैठ विफल

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की एक बड़ी घुसपैठ के प्रयास को भारतीय सेना ने विफल कर दिया है। आज शाम करीब 7-15 बजे सीमा पर तैनात मुस्तैद जवानों ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को भारतीय क्षेत्र में दाखिल होते देखा, जिसके बाद दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। सेना ने पूरे इलाके को घेरकर एक व्यापक खोज अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, नौशेरा सेक्टर के अंतर्गत आने वाले रूमीधारा क्षेत्र (20 गढ़वाल राइफल्स का सामान्य क्षेत्र) में सीमा पर लगी कटीली बाड़ के पास सेना की एक आरटी कॉलम पोस्ट तैनात थी। इसी दौरान जवानों को पीठ पर भारी बैग टांगे एक संदिग्ध आतंकवादी की हरकत दिखाई दी। संदिग्ध घुसपैठिया कटीली बाड़ और वास्तविक नियंत्रण रेखा के बीच के क्षेत्र में रेंगते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधि भांपते ही आरटी कॉलम ने तुरंत मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। भारतीय जवानों को भारी पड़ता देख घबराए आतंकवादी ने भी खुद को बचाने के लिए सेना पर दो राउंड जवाबी फायर किए। भारतीय सेना की 20 गढ़वाल राइफल्स के जवानों और सीमा पर तैनात अन्य सभी सहायक टुकड़ियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादी के भागने या छिपने की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त कुमुद बुलाई गई है, और पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सरकारी शिक्षकों को आरएसएस रैली में शामिल होना पड़ा महंगा : कर्नाटक में दो निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को निलंबित किया है। इन शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन करने का आरोप है। कर्नाटक शिक्षा विभाग के अनुसार, विभागीय जांच लंबित रहने तक यह कार्रवाई की गई है। निलंबित किए शिक्षकों में हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। निलंबित शिक्षक जोशी पर 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस रैली में शामिल होने का आरोप है, जिसकी तस्वीर लोकल समाचार पत्र में प्रकाशित हुई थी। वहीं, अन्ना साहेब देशमुख ने 10 अक्टूबर 2025 को हुनासागी में हुए संघ पथ संचलन में भाग लिया था। इन घटनाओं के बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने कड़ी आपत्ति जताकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खर्गे से भी कार्रवाई की मांग की गई थी। शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अपने लिखित जवाब में शिक्षकों ने तर्क दिया कि ये कार्यक्रम स्कूल के कामकाजी घंटों के दौरान नहीं, बल्कि रविवार को हुए थे और इनकी प्रकृति राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक थी। हालांकि, शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के स्पष्टीकरण को यह कहकर खारिज किया कि कर्नाटक सिविल सेवा नियमों के तहत इस घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल-चीन सीमा पर बनी खतरनाक झील से भारत तक बाढ़ का खतरा, अगले 72 घंटे अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भोटेकोशी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद अब एक और बड़े खतरे ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल-चीन सीमा के पास छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम पर विशाल बैरियर लेक बन गई है। वैज्ञानिकों और चीनी अधिकारियों ने प्राकृतिक झील के कमजोर बांध को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसके फटने से अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर आ सकता है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने अगले 72 घंटों को बेहद अहम बताकर इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। यह झील भारत की सीमा से सीधे नहीं सटी है, बल्कि लगभग 120 से 140 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। हालांकि, इसका नदी तंत्र भारत से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र से निकलने वाला पानी नेपाल के रास्ते आगे बढ़ता है और अंततः गंडक नदी के जरिए बिहार में प्रवेश करता है, जिससे डाउनस्ट्रीम इलाकों में भी चिंता बढ़ी है। चीन की चेतावनी के अनुसार, बैरियर लेक में तेजी से करीब 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो चुका है और अनुमान है कि लगभग 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी और इकट्ठा हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़ने से यह प्राकृतिक बांध टूटता है, तब ग्लेशियल या भूस्खलन से बनी झील के अचानक फटने जैसी स्थिति माना जाएगा। ऐसी स्थिति में पानी सामान्य बाढ़ की तरह धीरे-धीरे नहीं बल्कि बहुत तेज गति से चट्टानों, मिट्टी और मलबे के साथ नीचे आता है, जिससे भारी तबाही मच सकती है। अगले 72 घंटों के लिए चीन ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग और फ्लड सिमुलेशन शुरू किया है ताकि बांध के टूटने पर पानी के बहाव की दिशा और गति का अनुमान लगाया जा सके। सबसे बड़ा सवाल यही है कि लेक का पानी सिर्फ ओवरफ्लो करेगा या पूरा बांध टूट जाएगा।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने बिछी सियासी बिसात

-बीजेपी का मुफ्त बस यात्रा का ऐलान तो सपा ने 40 हजार देने का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने के लिए सियासी बिसात बिछने लगी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने का ऐलान किया तो उसके जवाब में समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं रही उसने डिंपल यादव को फ्रंटफुट पर उतार दिया। डिंपल यादव ने स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपए देने का वादा कर दिया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिंपल के फ्रंट पर आकर मोर्चा संभालने और महिला कार्ड खेलने के बाद बीजेपी ने अपनी रणनीति बदली। सपा के इस दांव को काटने और महिला वोटरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज मैदान में उतार दी है। बीजेपी की महिला नेताओं ने सपा के महिला कार्ड को काउंटर करना शुरू कर दिया है। यूपी में महिला मतदाता किसी भी चुनाव का पासा पलटने की ताकत रखती हैं। इसीलिए सपा और बीजेपी दोनों ही शह-मात का खेल खेलना शुरू कर दिया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जैसे ही महिलाओं को साधने का दांव चला, बीजेपी की महिला नेता फ्रंटफुट पर उतरकर सपा को महिला विरोधी कठघरे में खड़ा करने में जुट गई हैं।
सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी में महिला वोटों को साधने के लिए अपनी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव को आगे कर दिया है। डिंपल ने बुधवार को सपा मुख्यालय में अपनी महिला ब्रिगेड के साथ स्त्री सम्मान समृद्धि योजना का ऐलान किया और कहा कि पार्टी के पीडीए का एक बड़ा मतलब आधी आबादी भी है। उन्होंने कहा कि सपा का मानना है कि जब तक महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। महिलाओं को मोबाइल, लैपटॉप, पैसा, पाठशाला और प्रशिक्षण जैसे माध्यमों से सशक्त किया जाएगा। डिंपल के साथ अखिलेश यादव ने भी महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा। उन्होंने कहा कि जब महिला आरक्षण बिल संसद से पास हो चुका है, तो बीजेपी इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है? इसे 2027 के विधानसभा चुनाव में ही लागू किया जाना चाहिए। डिंपल यादव के महिला कार्ड को काउंटर करने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज उतार दी है। योगी सरकार में मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि यूपी में सपा सरकार के दौरान बेटियां असुरक्षित थीं और महिलाओं का राह चलना दूभर था। सपा की महिला नेता रोली मिश्रा के साथ सपा कार्यकर्ताओं द्वारा अभद्रता के आरोपों पर अखिलेश यादव चुप रहे। योगी सरकार में महिलाएं भयमुक्त माहौल में जीवन जी रही हैं। सपा से विधायक बनीं और बगावत कर बीजेपी में आईं विधायक पूजा पाल ने कहा कि महिलाएं सपा के जाल में नहीं फंसने वाली हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करना हास्यास्पद है1 सपा सरकार में महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार और छेड़खानी की घटनाएं होती थीं, यह सभी ने देखा है। चुनाव को लेकर जो महिला कार्ड खेला जा रहा है, वह काम नहीं आने वाला, महिलाएं सपा के दौर को भूल नहीं पाई हैं।

राजस्थान में इस महीने स्वाइन फ्लू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए

-संक्रमण से बचने सावधानी और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अगस्त में स्वाइन फ्लू के 55 मामले सामने आए हैं, जो इस साल किसी एक महीने में दर्ज मामलों की सबसे ज्यादा हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नए मामलों के साथ राज्य में जनवरी 2026 से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 146 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि कुछ राज्यों, विशेषकर दिल्ली में एच1एन1 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए विभाग स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों को स्थिति से निपटने के लिए जरुरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में जनवरी में दो, फरवरी में तीन, मार्च में 20, अप्रैल में 22, मई में 25, जून में 14, जुलाई में पांच और अगस्त में 55 मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि एच1एन1 वायरस के किसी नए या अधिक घातक स्ट्रेन के फैलने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर के मुताबिक वर्तमान में प्रसारित वायरस पहले से ही सक्रिय है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी है। राठौड़ ने बताया कि एच1एन1 या स्वाइन फ्लू एक श्वसन संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में जटिलताओं का जोखिम ज्यादा रहता है।

तमिलनाडु सीएम अपनी तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए

-सदन की कार्यवाही में लिया हिस्सा, विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार हुआ

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को असामान्य नजारा देखने को मिला। सीएम सी जोसेफ विजय अपनी सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है कि जब किसी सीएम ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए तय सीट पर बैठकर कार्यवाही में हिस्सा लिया। वे सदन के नेता और मंत्री केए सेंगोट्टैयन और मंत्री आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम विजय के लिए विधानसभा में स्पीकर की सीट के पास अलग सीट निर्धारित है। वहीं मंत्री सामने की कतार में बैठते हैं। उनकी सीटें आमतौर पर वरिष्ठता के आधार पर तय होती हैं। विधायक और मंत्री कभी-कभी आपसी बातचीत के लिए अपनी सीट बदल लेते हैं, लेकिन सीएम का अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर जाकर बैठना सामान्य नहीं था।
सीएम विजय के सीट बदलने से पहले विधानसभा में अहम मुद्दों पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा कि विभागीय सचिव चर्चा के दौरान सदन में मौजूद क्यों नहीं हैं। उदयनिधि ने करूर भगदड़ का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन सीएमए एमके स्टालिन, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव अहम मुद्दों पर चर्चा के समय सदन में मौजूद रहते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में अधिकारियों की ऐसी मौजूदगी दिखाई नहीं दे रही है।

अमित शाह बोले- गांधीजी ने धर्मांतरण को माना था पाप

गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री ने बापू के विचारों का किया उल्लेख और कहा- स्वार्थ के लिए राजनीति करना गलत

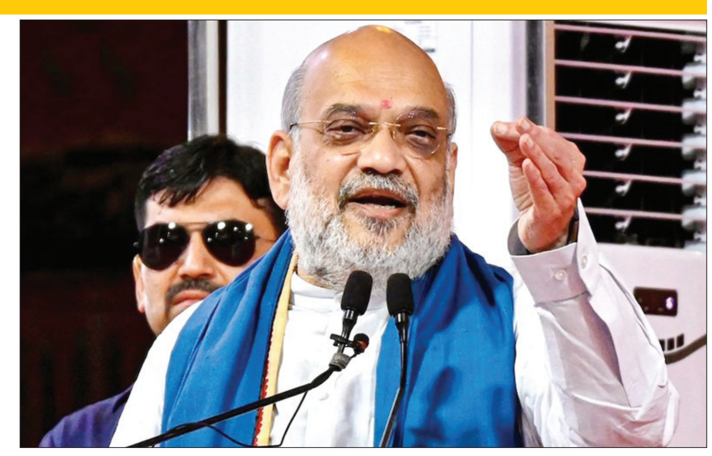

अहमदाबाद, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महात्मा गांधी के विचारों और उनके बताए सामाजिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बापू ने धर्मांतरण को पाप का एक रूप माना था। उन्होंने लोगों से अपने स्वधर्म यानी अपने धर्म और अंतरात्मा की आवाज के अनुरूप जीवन जीने का आग्रह किया था। शाह ने कहा कि वे बहुत कम उम्र से ही महात्मा गांधी के प्रशंसक रहे हैं और एक तरह से उनके अनुयायी भी हैं।
शाह अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में करीब 900 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। गृह मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह दिन महत्वपूर्ण और अनमोल है, लेकिन उनके लिए भी यह अवसर विशेष महत्व रखता है। उन्होंने गुजरात विद्यापीठ से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे यहां की लाइब्रेरी की किताबों के शौकीन पाठक रहे हैं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन इसी संस्थान के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनने का अवसर मिलेगा।

बचपन में काता सूत, खादी पहनने का लिया था संकल्प

अमित शाह ने महात्मा गांधी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने लंबे समय तक खादी बुनी और सूत काता है। उनकी मां ने उनसे जीवनभर खादी पहनने का संकल्प भी करवाया था। उन्होंने विद्यार्थियों से गांधीजी के विचारों को पढ़ने और उन्हें जीवन में उतारने की अपील की।
सिद्धांतों के बिना राजनीति को बताया पाप
गृह मंत्री शाह ने गांधीजी द्वारा बताए गए 'सात सामाजिक पापों' और उनकी रचनाओं में वर्णित 11 गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इन मूल्यों का पालन करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधीजी के अनुसार सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। राजनीति स्पष्ट सिद्धांतों और उद्देश्यों पर आधारित होनी चाहिए। जो लोग केवल अपने स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं, वे भी एक तरह से पाप कर रहे हैं। शाह ने कहा कि गांधीजी 'नवनिर्माण' के बजाय 'पुनर्निर्माण' शब्द का इस्तेमाल करते थे। उनके मुताबिक भारत विशाल देश था, लेकिन गुलामी के दौर में इसे तोड़ दिया गया था। इसलिए गांधीजी देश के पुनर्निर्माण की बात करते थे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी गांधीजी के पुनर्निर्माण संबंधी विचारों से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

सीजेपी एक-दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी: चिदंबरम

चेन्नई, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि अगर कॉकरोच जनता पार्टी एक या दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। चिदंबरम ने चेन्नई में एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। अभिजीत दीपके की सीजेपी को लेकर चिदंबरम ने कहा कि मुझे नहीं पता और मैं यह नहीं कह सकता कि क्या यह पूरे देश में तीसरी ताकत के तौर पर उभर पाएगी या नहीं। उन्होंने सरकारी स्कूलों की हालत पर केंद्रित इस नई पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान का जिक्र किया और सत्ता में बैठे लोगों पर संगठन के इस अभियान के असर को माना है। उन्होंने कहा कि सीजेपी के इस अभियान ने सत्ता में बैठे लोगों को जगा दिया है। सीजेपी के अभियान के बाद सरकारी स्कूलों को ठीक करने के लिए फंड देने की घोषणाएं की जाने लगी हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनटीए की ओर से इस साल आयोजित नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर चिदंबरम ने कहा कि ऐसा होना तय था। उन्होंने एनटीए में स्थायी कर्मचारियों की कम संख्या और देश भर में हजारों सेंटर्स पर परीक्षा आयोजित करने की जरूरत का जिक्र किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीएमके बीजेपी के करीब आएगी, तो इस पर चिदंबरम ने जवाब दिया कि इसकी कोई संभावना नहीं है। अगर वे ऐसा करते हैं, तो वे खुद अपना नुकसान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस ने विधानसभा में एक प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिसमें केंद्र से लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 पर ही बनाए रखने और राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने की अपील की गई थी।

गोवा में धर्मांतरण रोधी विधेयक का विपक्ष कर रहा विरोध, सीएम बोले- सदन में करेंगे चर्चा

पणजी, एजेंसी।
धर्मांतरण रोधी विधेयक के मसौदे का विरोध बढ़ने के बीच गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि इस विधेयक पर कोई भी चर्चा 31 अगस्त से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में होगी। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 'गोवा गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध विधेयक, 2026' में बलपूर्वक, दबाव, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, कपटपूर्ण साधनों या विवाह के जरिए कथित धर्मांतरण के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक समेत विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर दावा किया है कि इससे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीएम सावंत ने विपक्ष के विरोध पर कहा कि विधेयक को सदन में पेश होने दीजिए। हम वहीं इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून पर अन्य कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह विधेयक आगामी तीन दिवसीय मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधेयक के तहत अपराधियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा कम से कम 50,000 रुपए का जुर्माना और पीड़ितों को पांच लाख रुपए तक का मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है। प्रस्तावित कानून में उस विवाह को ''अवैध'' घोषित करने का भी प्रावधान है, जो केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो। इस अपराध के दोषी पाए जाने वाले हिंदू पुजारियों और मौलवियों समेत अन्य लोगों को न्यूनतम 10 साल के कारावास की सजा हो सकती है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य पहले ही धर्मांतरण रोधी कानून बना चुके हैं।

कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बाढ़-भूस्खलन में अलनीनो निभा रहा अहम भूमिका

-समुद्र का तापमान बढ़ना समुद्री जीवन के लिए ही खतरा नहीं, मौसम पर भी पड़ती है मार

नई दिल्ली, एजेंसी।
कहीं भीषण गर्मी तो कहीं कम समय में तेज बारिश से बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालात बन रहे हैं। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन के साथ इस समय मजबूत हो रहा अल नीनो भी अहम भूमिका निभा रहा है। हालिया आंकड़े इस बदलाव की गंभीर तस्वीर दिखाते हैं। 22 अगस्त को दुनिया के समुद्रों का औसत सतही तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 1979 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले रिकॉर्ड 21.09 डिग्री सेल्सियस का था, जो मार्च 2024 में दर्ज हुआ था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र धरती की अतिरिक्त गर्मी का बहुत बड़ा हिस्सा अपने अंदर जमा करता है। इसलिए समुद्र का तापमान बढ़ना केवल समुद्री जीवन के लिए खतरा नहीं, बल्कि इसका असर पूरी मौसम व्यवस्था पर पड़ सकता है। गर्म समुद्री पानी से वाष्पीकरण बढ़ता है। इससे वातावरण में ज्यादा नमी पहुंच सकती है और कुछ इलाकों में भारी बारिश और तूफानों की ताकत बढ़ सकती है। दूसरी ओर समुद्र का गर्म होना मछलियों, प्रवाल भित्तियों और दूसरे समुद्री जीवों के लिए भी परेशानी बढ़ाता है। वैज्ञानिकों ने समुद्र के इस नए रिकॉर्ड को बेहद चिंताजनक बताया है।
रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया एक मजबूत अल नीनो का सामना कर रही है। पूर्वानुमान के मुताबिक अल नीनो के 2026 के अंत तक और मजबूत होने की संभावना है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के दौरान बहुत मजबूत अल नीनो की संभावना 90 फीसदी से ज्यादा बताई गई है। एक आकलन में इस अवधि में ऐतिहासिक रूप से बेहद मजबूत घटना की 69 फीसदी संभावना भी जताई गई है। वैज्ञानिक मॉडल यह भी संकेत दे रहे हैं कि मौजूदा अल नीनो अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच अपने चरम पर पहुंच सकता है और इसकी ताकत पुराने सबसे मजबूत अल नीनो घटनाक्रमों के स्तर के करीब जा सकती है।
वहीं भारत में इस साल मानसून में कई जगह भारी बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिली हैं। हिमाचल प्रदेश इसका उदाहरण है। 30 जून से 23 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश में 224 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 91 मौतें बारिश से जुड़ी आपदाओं, जैसे भूस्खलन, बादल फटने और डूबने जैसी घटनाओं से हुईं। राज्य में 149 सड़कें बंद रहीं और मानसून से हुआ कुल नुकसान 1,121 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया।
भारत में जहां बारिश और बाढ़ चिंता बढ़ा रही है, वहीं यूरोप के कई हिस्से लगातार भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। 2026 की गर्मियों में लगातार कई रिकॉर्ड गर्मी की लहरें देखने को मिली हैं। हालिया आकलन के मुताबिक यूरोप में इस गर्मी की लगातार चार बड़ी हीटवेव से कम से कम 35,000 अतिरिक्त मौतें जुड़ी हो सकती हैं। जर्मनी, फ्रांस और स्पेन में ही 25,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतों का अनुमान है। ये आंकड़े शुरुआती हैं और कई देशों से अगस्त का पूरा डेटा अभी सामने नहीं आया है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
29 अगस्त 2026

सोने का भाव 1,57,911 और चांदी 2,40,181 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सोना या चांदी खरीदने का मन बना रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली। इस गिरावट से खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर वाला वायदा भाव 637 रुपये गिरकर 1,58,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। कारोबार के दौरान सोने का भाव 1,57,911 रुपये तक नीचे गया, जबकि इसका ऊपरी स्तर 1,58,996 रुपये रहा। इसी तरह, चांदी में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर 4 सितंबर वाली चांदी 470 रुपये यानी 0.20 फीसदी गिरकर 2,40,181 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसका निचला स्तर 2,39,049 रुपये और ऊपरी स्तर 2,40,651 रुपये रहा। अंतराष्ट्रीय बाजार का हाल- घरेलू बाजार की तरह अंतराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखा। कॉमेक्स पर सोना 0.62 फीसदी गिरकर 4,635.20 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.79 फीसदी गिरकर 68.880 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। सोने की गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श के जैक्सन होल में होने वाले संबोधन से पहले निवेशकों की सावधानी है। इसके अलावा, सोने-चांदी की कीमतों पर अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों का भी असर पड़ा है। अमेरिका में फेड की नजर में अहम माने जाने वाले महंगाई के आंकड़ों में तेजी के बाद बॉन्ड यील्ड और डॉलर को मजबूती मिली, जिसके चलते सोने-चांदी में मुनाफावसूली देखने को मिली। दरअसल, सोना कोई ब्याज नहीं देता है। ऐसे में जब अमेरिका में ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रहने या आगे बढ़ने की संभावना बढ़ती है, तो निवेशकों के लिए बॉन्ड जैसे विकल्प अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिससे सोने पर दबाव बढ़ता है।

टीवीएस मोटर ने पेमैन कारगर को सीईओ, निदेशक नियुक्त किया

मुंबई।

टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि उसने वृद्धि के अपने अगले चरण को समर्थन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अपने अध्यक्ष पेमैन कारगर को निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि पेमैन की नियुक्ति अगले साल 27 जनवरी से प्रभावी होगी और वह केएन राधाकृष्णन का स्थान लेंगे। बयान में कहा गया कि अपनी नई भूमिका में, पेमैन कंपनी का नेतृत्व करेंगे क्योंकि कंपनी उत्पाद नवाचार, प्रीमियमीकरण और विकसित बाजारों में विस्तार के माध्यम से भारत और विश्व स्तर पर अपने व्यापार को और बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भौगोलिक संदर्भटीवीएस मोटर कंपनी के एक अ धिकारी ने कहा कि यह नियुक्ति टीवीएस मोटर कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम भविष्य की तैयारी कर रहे हैं। पेमैन रणनीतिक नजरिये और ग्राहकों तथा बाजारों की मजबूत समझ वाले एक कुशल वैश्विक नेता हैं।

मीठा हुआ कड़वा! चीनी की महंगाई से बिस्किट, चॉकलेट और मिठाई होंगी महंगी

- महंगाई का सीधा असर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों पर पड़ेगा

नई दिल्ली । मीठे के शौकीनों के लिए बुरी खबर है। चीनी की आसमान छूती कीमतों के कारण अब बिस्किट, चॉकलेट, मिठाई और कोल्ड ड्रिंक्स जैसे उत्पाद महंगे होने की आशंका है। एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म के एक विश्लेषण के मुताबिक, इस महंगाई का सीधा असर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों पर पड़ेगा, जिससे उनका मुनाफा प्रभावित होगा। ब्रोकरेज फर्म के आकलन में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर सबसे अ धिक मार पड़ने का अनुमान है, क्योंकि कंपनी के उत्पादों में चीनी और पाम ऑयल की लागत काफी ज्यादा है। छोटे और कम कीमत वाले पैकेजों के कारण कंपनी के लिए बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर डालना चुनौती होगा, जिससे मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा। नेस्ले इंडिया और वरुण बेवरेजेज भी प्रभावित होंगी। इस संकट के पीछे कई कारण हैं। भारत में त्योहारी सीजन की बढ़ी मांग और खराब मॉनसून से गन्ने की फसल को हुए नुकसान के चलते चीनी का उत्पादन घटा। पिछले एक महीने में दाम करीब 10त्न बढ़ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर भी ब्राजील में खराब मौसम और एथेनॉल उत्पादन, भारत, थाईलैंड व यूरोप में कम उपज से संकट गहराया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 330, निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददरी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक बढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 84.80 अंक उछलकर 24,175.65 पर बंद हुआ। इससे पिछले दो दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी।

आज व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.05 फीसदी और 0.20 फीसदी की बढ़त रही। वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी आईटी सबसे आगे बढ़ने वाला क्षेत्र रहा। इसमें 3.51 फीसदी उछाल आया। इसके अलावा, निफ्टी मेटल, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में भी तेजी रहीं। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी केमिकल्स, निफ्टी सीमेंट, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो के शेयरों में गिरावट आई।

निफ्टी इंडेक्स में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही और ये दिन के सबसे अधिक उछाल वाले शेयर रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स ने 77,128.05 पर खुलने के बाद तेजी पकड़ी। वहीं निफ्टी ने आज 24,122.60 पर अपनी शुरुआत करते हुए गति पकड़ी । दूसरी ओर एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.14 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। एनवीडिया के बेहतर बिक्री अनुमान के बाद बाजार में दिखा शुरुआती उत्साह भी कुछ कम हुआ है।

रुपया 94 तक मजबूत होने की कगार पर?

आरबीआई की रणनीति और भारी डॉलर आवक से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली । भारतीय रुपये ने शुक्रवार को ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखाया, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में रुपये में बड़ी मजबूती दिख सकती है। उनके मुताबिक रुपया डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर तक मजबूत हो सकता है। यह अनुमान रिजर्व बैंक की कुशल रणनीति और देश में भारी डॉलर आवक पर आधारित है। फिलहाल डॉलर के मुकाबले रुपया 95 से 96 के दायरे में रह सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि अगर डॉलर 95 रुपये से नीचे बंद होता है, तो आगे यह 94 रुपये की तरफ जा सकता है, जिससे डॉलर सस्ता और रुपया और मजबूत होगा। इस मजबूती की मुख्य वजह भारी डॉलर आवक है। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत 21 अगस्त तक लगभग 73 अरब डॉलर का निवेश आ चुका है, जिसमें से 65 अरब डॉलर से अधिक की रकम जमाओं के जरिए आई है। इन जमाओं की समयसीमा 31 अगस्त है, जबकि विदेशी कर्ज सुविधा दिसंबर तक खुली है। बनर्जी का अनुमान है कि इन योजनाओं से कुल 85 से 90 अरब डॉलर की रकम आ सकती है, जो 2013 की समान योजना से करीब ढाई गुना अधिक है। विशेषज्ञ बताते हैं कि रिजर्व बैंक ने इस आवक के एक बड़े हिस्से को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में समाहित किया है। 5 जून से 14 अगस्त के बीच देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 35 अरब डॉलर बढ़कर 716.9 अरब डॉलर हो गया है। यह ऐसे समय हुआ है जब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दौरान आरबीआई ने रुपये को स्थिर रखने के लिए बाजार में डॉलर बेचे थे। आरबीआई ने डॉलर को सीधे बाजार में आने देने के बजाय इसे भंडार में रखकर रुपये को सहारा दिया और भविष्य की जरूरतों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट

ब्रेंट 88 डॉलर के करीब, डब्ल्यूटीआई लगभग 83.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार सुबह एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.36 फीसदी टूटकर 88.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा भी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, जो आम तौर पर तेल की कीमतों में उछाल लाता है।दिनभर के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 88.10 से 88.73 डॉलर के दायरे में रहा, जबकि डब्ल्यूटीआई 83.03 से 83.76 डॉलर के बीच कारोबार करता दिखा। हालांकि, इस बार बाजार की प्रतिक्रिया अलग है। आम तौर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका से कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार में ऐसी कोई चिंता नहीं दिख रही है। यही कारण है कि ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया है। पूरे हफ्ते की बात करें तो कच्चे तेल में अच्छी-खासी कमजोरी देखी गई है। इस सप्ताह ब्रेंट क्रूड में लगभग 5.3 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में करीब 4.3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। यदि शुक्रवार को भी यह कमजोरी बनी रहती है, तो यह लगातार दो हफ्तों की तेजी के बाद कच्चे तेल की पहली साप्ताहिक गिरावट होगी।

कंपनियों की राजस्व वृद्धि में सुस्ती तय, परिचालन लाभ मार्जिन भी घटेगा: इका

वैश्विक मांग में कमजोरी और ग्रामीण खपत पर जोखिम से दूसरी तिमाही में दिखेगा असर

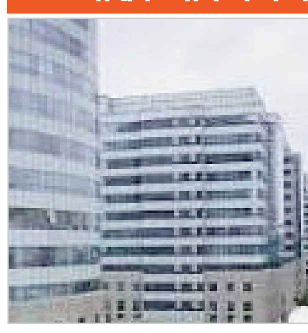

मुंबई ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए) ने भारतीय कंपनियों के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में राजस्व वृद्धि में उल्लेखनीय गिरावट का अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार यह वृद्धि पहली तिमाही के 21.3 प्रतिशत से घटकर 13-15 प्रतिशत रह सकती है, जबकि परिचालन लाभ मार्जिन में भी 1 से 1.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। कमजोर वैश्विक मांग और ग्रामीण खपत पर संभावित जोखिम को इसका मुख्य कारण बताया गया है। इक्रा के एक अ धिकारी ने बताया कि वैश्विक मांग में कमजोरी से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और परिधान जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्र प्रभावित होंगे।

हालांकि, वाहन, खुदरा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु और आतिथ्य जैसे घरेलू खपत पर निर्भर क्षेत्रों की राजस्व वृद्धि अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। उन्होंने आगाह किया कि अगस्त-सितंबर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान कृषि उत्पादन और ग्रामीण खपत के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है। कच्चे माल, ईंधन और पैकेजिंग की ऊंची लागत से भी कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। तेलशोधन, विमानन, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे ऊर्जा-गहन क्षेत्रों पर कच्चे तेल और संबंधित उत्पादों की बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि, कई कंपनियां इन बढ़ी हुई लागतों का बोझ ग्राहकों पर डालने का प्रयास कर रही हैं। धातु एवं खनन, तेल एवं गैस उत्पादन और दूरसंचार जैसे कुछ क्षेत्र अनुकूल कीमतों और परिचालन दक्षता के कारण अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहेंगे। इक्रा ने यह भी कहा कि मार्जिन पर दबाव के बावजूद भारतीय कंपनियों की ऋण संबंधी स्थिति मजबूत बनी रहने की संभावना है।

मुंबई में दूध 9 रुपए महंगा, अब 102 रुपये लीटर तक पहुंचा दाम

उत्पादन लागत में वृद्धि के चलते हुआ इजाफा, 1 सितंबर से प्रभावी होंगी नई दरें

मुंबई ।

मुंबई के उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। दूध उत्पादकों ने दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिससे अब एक लीटर दूध 93 रुपए की जगह 102 रुपए में मिलेगा। ये नई दरें 1 सितंबर 2026 से लागू होंगी और 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेंगी, जिससे त्योहारों और सर्दियों के मौसम में लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा होने के कारण इस बढ़ोतरी का सीधा असर परिवारों के मासिक बजट पर पड़ सकता है। दूध उत्पादकों ने इस मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण उत्पादन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी बताया है। डेयरी पशुओं की खरीद से लेकर उनके चारे और पशु आहार की कीमतें बेतहाशा बढ़ी हैं। उत्पादकों के मुताबिक, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले अनाज, तूर चुनी और चना चुनी जैसे उत्पादों की कीमतों में करीब 25 फीसदी तक का उछाल आया है। इसके अलावा, खली और अन्य आवश्यक पशु आहार भी महंगे हो गए हैं, जिससे पशुपालन का कुल खर्च काफी बढ़ गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर पड़ेगा, क्योंकि दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा है। त्योहारों के मौसम में दूध की खपत बढ़ने के कारण मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की लागत भी बढ़ने की आशंका है। दूध उत्पादकों का कहना है कि बढ़ती लागत के साथ मौजूदा दरों पर कारोबार चलाना असंभव हो गया था, जिसके बाद यह कठोर फैसला लेना पड़ा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की तेजी के साथ ही 95.45 पर बंद हुअ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और कच्चे तेल की आपूर्ति में लगातार बाधा आने से भी शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.55 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपय थोड़ा कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों के 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से घरेलू मुद्रा में तेज गिरावट पर लगाम लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.54 पर खुला और फिर फिसलकर 95.55 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की गिरावट के साथ 95.45 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी गिरकर 99.14 पर बंद हुआ था।

सुभाष चंद्रा के 6.25 करोड़ के समाधान प्लान पर एचडीएफसी बैंक की आपत्ति

एनसीएलटी के फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली । देश का सबसे बड़ा प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक, एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े एक मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के फैसले को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में चुनौती देने पर विचार कर रहा है। बैंक 22,000.57 करोड़ रुपये के स्वीकार किए गए दावों के मुकाबले चंद्रा द्वारा व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर पेश किए गए महज 6.25 करोड़ रुपये के भुगतान प्लान से असंतुष्ट है। एनसीएलटी ने 80.81 फीसदी वोटिंग शेयर वाले कर्जदाताओं के समर्थन के बाद इस भुगतान प्लान को मंजूरी दी थी, लेकिन एचडीएफसी बैंक ने इसका विरोध किया था और इसके खिलाफ वोट भी दिया था। बैंक ने स्पष्ट किया है कि कुल स्वीकार किए गए दावों में उसकी हिस्सेदारी लगभग 3.2 फीसदी थी, जो मूल रूप से एचडीएफसी लिमिटेड द्वारा दिया गया कर्ज था और जिसका 2023 में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया। इस मामले में सुभाष चंद्रा ने अपना अलग पक्ष रखा है। उनका कहना है कि दिवालिया प्रक्रिया से जुड़े वास्तविक दावे केवल 3,992 करोड़ रुपये के थे, न कि 22,000 करोड़ रुपये से अधिक। चंद्रा के मुताबिक, उन्होंने इन कर्जदाताओं से व्यक्तिगत तौर पर कोई कर्ज नहीं लिया था, बल्कि एस्सेल समूह से जुड़ी कंपनियों के कर्ज के लिए केवल व्यक्तिगत गारंटी दी थी। सिर्फ एचडीएफसी बैंक ही नहीं, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, आरबीएल बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ब्रिटेन इकाई समेत कई अन्य प्रमुख कर्जदाता भी इस प्लान से नाखुश हैं और एनसीएलएटी में अपील करने पर विचार कर रहे हैं। इन बैंकों का मानना है कि इतनी कम वसूली वाला प्लान उनके लिए व्यावहारिक नहीं है।

प्याज महंगाई पर लगाम: कांदा एक्सप्रेस से दिल्ली पहुंची 453 टन प्याज

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से, शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक से पहली कांदा एक्सप्रेस राजधानी पहुंची। यह ट्रेन अपने साथ 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर आई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने जानकारी दी कि दिल्ली-एनसीआर में यह प्याज 35 प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इसका कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे नजदीकी शहरों में भी भेजा जाएगा।केंद्र सरकार के पास मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत लगभग 1.21 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक मौजूद है। चेन्नई के लिए अगली कांदा एक्सप्रेस शुक्रवार को ही रवाना होगी, जिसके बाद मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे अन्य गंतव्यों के लिए भी रैक भेजे जाएंगे। मंत्रालय को उम्मीद है कि इस बफर स्टॉक की रिलीज से एक सप्ताह के भीतर दिल्ली में प्याज

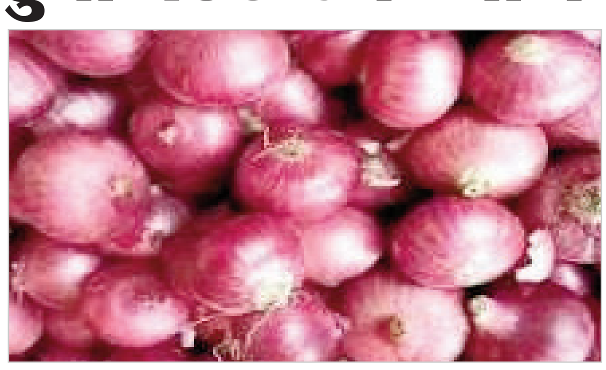

की खुदरा कीमतों में गिरावट आएगी।

उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थीं, जबकि अखिल भारतीय औसत 46.58 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

जापान में रहना हुआ महंगा, 1 अक्टूबर से पीआर और वीजा में बढ़ोतरी

6 हजार रुपए से सीधे 1.2 लाख हुई प्रोसेसिंग फीस

टोक्यो।

जापान में बसने या लंबे समय तक रहने की योजना बना रहे लोगों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। जापानी कैबिनेट ने 1 अक्टूबर से इमिग्रेशन नियमों को कड़ा करते हुए परमानेंट रेजिडेंस (पीआर) (क्क्र) और विभिन्न वीज़ा कैटेगरी की प्रोसेसिंग फीस में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सबसे बड़ा झटका परमानेंट रेजिडेंस (पीआर) चाहने वालों को लगेगा। पीआर आवेदन शुल्क 10,000 येन (लगभग 6,000 रुपए) से सीधे बढ़कर 200,000 येन (लगभग 1.2 लाख रुपए) कर दिया गया है, जो 1900 फीसदी की चौंकाने वाली वृद्धि है। वीज़ा बदलने या रिन्यू कराने के शुल्क में भी बदलाव किया गया है। पहले यह एक समान 6,000 येन (लगभग 3,600 रुपए) था, लेकिन अब यह स्टे की अवधि पर निर्भर करेगा। 1 अक्टूबर से, प्रशासनिक कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन करने पर, तीन महीने तक की अवधि के लिए 10,000 येन (6,000 रुपए), एक साल के लिए 33,000 येन (19,800 रुपए), तीन से पांच साल से कम के लिए 64,000 येन (38,400 रुपए) और पांच साल या उससे अधिक के लिए 75,000 येन (45,000 रुपए) का शुल्क लगेगा। संशोधित कानून सरकार को अस्थायी निवास प्रक्रियाओं के लिए 100,000 येन (लगभग 60,000 रुपए) तक और स्थायी निवास के लिए 300,000 येन (लगभग 1.8 लाख रुपए) तक फीस तय करने की अनुमति देता है।

भारतीय शेयर बाजार में बढ़त के साथ कारोबार

सेंसेक्स 240 अंक चढ़ा; आईटी शेयरों में जोरदार तेजी

बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे कुछ सेक्टरों में हल्की गिरावट रही।

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती घंटों में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई, जिसने बाजार को ऊपर खींचने में अहम भूमिका निभाई।

हालांकि, बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे कुछ सेक्टरों में हल्की गिरावट रही। शुक्रवार सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 242.28 अंक की बढ़त के साथ 77,175.87 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स ने 77,128.05 पर खुलने के बाद तेजी पकड़ी। वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी 38.40 अंक बढ़कर 24,129.25 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने आज 24,122.60 पर अपनी शुरुआत की और शुरुआती कारोबार में 24,146.10 का ऊपरी स्तर छुआ। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली।

निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.15 फीसदी की उछाल के साथ 30,869.75 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में इंफोसिस 2 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। इसके अलावा, टेक महिंद्रा में 1.85 फीसदी, टीसीएस में 1.55 फीसदी, एचसीएल टेक में 1.47 फीसदी और टाइटन में 0.93 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट 0.75 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.71 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.63 फीसदी और बजाज फाइनेंस 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति और एसबीआई में भी मामूली कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.25 फीसदी की हल्की बढ़त रही। हालांकि, सेक्टर-वार देखें तो बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में कुछ दबाव नजर आया। निफ्टी बैंक 0.09 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के कुल 50 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त में और 25 शेयर गिरावट में थे, जबकि एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षों में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

ऑस्ट्रेलिया ए के इंडिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी20 श्रृंखला में भारत ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीम की अगुवाई करेंगी। सयाली सतघरे टी20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का एकदिवसीय और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है। टी20 मैच न्यू चंडीगढ़, एकदिवसीय मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम और चार दिवसीय मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। टी20 मुकाबले 12, 15 और 17 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ में होंगे। एकदिवसीय मैच 20, 23 और 25 सितंबर को मोहाली में खेले जाएंगे जबकि चार दिवसीय मुकाबला 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक धर्मशाला में होगा।

टी20 के लिए भारत ए टीम – अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय भारत ए टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

भारत ए की बहुदिवसीय टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2026 महिला हॉकी वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। गुरुवार को एमस्टेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने दूसरे हाफ में बेहतरीन वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागे। इस जीत के साथ भारत ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन 1974 के पहले महिला हॉकी वर्ल्ड कप में रहा था, जब टीम चौथे स्थान पर रही थी। भारत ने टूर्नामेंट में सिर्फ एक मुकाबला गंवाया। जर्मनी के खिलाफ पांचवें स्थान के मुकाबले में टीम ने पहले हाफ में दबाव का सामना किया, लेकिन दूसरे हाफ में खेल का रुख पूरी तरह बदल दिया। मैच के शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने काउंटर-अटैक के जरिए मौके बनाने की कोशिश की, जबकि जर्मनी ने धीरे-धीरे गेंद पर अपना नियंत्रण बढ़ाया और भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। जर्मनी को क्वार्टर के अंत में पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर बिचू देवी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। इसके बाद मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर का भी जर्मनी फायदा नहीं उठा सका। दूसरे क्वार्टर में भी जर्मनी ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी। 18वें मिनट में सुशीला चानू के पैर पर गेंद लगने के बाद जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन खराब इंजेक्शन के कारण यह मौका भी हाथ से निकल गया। इसके बाद भारत ने कुछ अच्छे हमले किए। नवनीत कौर और कप्तान सलीमा टेटे ने जर्मन गोलकीपर फिंजा स्टार्क की परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने लगातार शानदार बचाव करते हुए भारत को बढ़त लेने से रोके रखा।

महिला एशिया कप शुरू, भारतीय महिला टीम का पहला मैच 30 अगस्त को

दुबई (एजेंसी)। 17 दिन चलने वाले महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत आज से दुबई में हो रही है। इसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी हिस्सा ले रही है। 13 सितंबर को इसका फाइनल होगा। यूएई की मेजबानी में 28 अगस्त से महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत हो गई। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। अभी तक भारत ने 7 बार खिताब अपने नाम किया है तो श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है। 2004 में महिला एशिया कप की शुरुआत हुई थी। 2008 तक इसे वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। 2012 से टी20 फॉर्मेट में इसका आयोजन किया जा रहा है। श्रीलंका टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है।

महिला एशिया कप 2026 में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, थाईलैंड, हांगकांग और इंडोनेशिया शामिल है। इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में हांगकांग, भारत, पाकिस्तान और थाईलैंड है। वहीं ग्रुप बी में बांग्लादेश के साथ श्रीलंका, यूएई, इंडोनेशिया और श्रीलंका को जगह मिली है। थाईलैंड और हांगकांग के बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। थाईलैंड के खिलाफ भारतीय टीम 30 अगस्त को अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

महिला एशिया कप में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, 7 बार बन चुकी है चैंपियन

महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत 28 अगस्त से हो गई है। इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है। एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी। पहले चार संस्करण वनडे फॉर्मेट में हुए थे। 2012 से यह टी20 फॉर्मेट में आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय टीम का एशिया कप में रिकॉर्ड काफी शानदार है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज 4 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था। वहीं 2018 और 2024 में फाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। वहीं वनडे फॉर्मेट में चारों बार भारत विजेता रहा था। कुल मिलाकर भारत के पास एशिया कप की 7 ट्रॉफी है। बांग्लादेश और श्रीलंका की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। गेंदबाजी में क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर तेज गेंदबाजी की कमान संभालती हुई नजर आ सकती हैं। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी श्री चरणी और राधा यादव पर होगी। चरणी ने इस साल खेले 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कुल 27 विकेट चटकाए हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी।

पाकिस्तान से मुकाबले पर हरमनप्रीत ने कहा, किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, मेजबान यूएई, थाईलैंड, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया की टीम भाग ले रही हैं। वनडे विश्व चैंपियन भारत महिला टी20 एशिया कप में प्रबल दावेदारों में से एक है, लेकिन हरमनप्रीत ने पांच सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बने माहौल को खास तवज्जो नहीं दी। हरमनप्रीत ने शुक्रवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सभी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमारा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने पर है। हम किसी भी टीम को हल्के से नहीं ले रहे हैं। हमारा ध्यान केवल अच्छी क्रिकेट खेलने पर है। हम खेल से इतर की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रज्ञानानंदा की उपलब्धि, ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चेस स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 20 साल के ग्रैंडमास्टर ने अमेरिका में खेले गए ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल मुकाबले में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को 15-13 के स्कोर से हराया। इस जीत के बाद उन्हें प्राइज मनी के रूप में 2 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 1.9 करोड़ रुपये मिले।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स का चैंपियन बनना आर प्रज्ञानानंदा के लिए आसान नहीं था। उन्हें फाइनल के पहले क्लासिकल मुकाबले में हार झेलनी पड़ी तो वहीं दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद वह 6 पॉइंट से पीछे चल रहे थे। इसके बाद भी भारतीय भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और दोनों रैपिड मुकाबले जीत लिए। इससे उन्होंने फैबियानो कारुआना पर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद ब्लिट्ज स्टेज में भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया। अंतिम मुकाबले में उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी और उन्होंने संयम बनाए रखते हुए मैच ड्रॉ कर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार

दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है।

गंभीर ने भारतीय टीम की मानसिक मजबूती की सराहना की, दिनुशा के जुझारूपन के हुए कायल

1139 मिनट तक चट्टान बने रहे सोनल दिनुशा तोड़े कई रिकॉर्ड

कोलंबो(एजेंसी)। भारत की जीत में सबसे बड़ी दीवार बने दिनुशा श्रीलंका के 25 साल के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी ऐतिहासिक बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया। सीरीज में खेले गए 722 गेंदों और 1139 मिनट के दौरान दिनुशा ने 420 रन बनाए और तीन शतक जड़े। कोलंबो के स्स्ष्ट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत की जीत के इरादों पर पानी फेरते हुए दिनुशा ने श्रीलंका के लिए

मैच को ड्रॉ कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।मुश्किल परिस्थितियों में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे सोनल दिनुशा ने टेलेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों को तरसा दिया। पहली पारी में संकट में फंसी टीम के लिए शतक बनाने के बाद, फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी उन्होंने नाबाद शतक जड़ा। वे टेस्ट क्रिकेट इतिहास में फॉलोऑन मिलने के बाद एक ही मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह कारनामा करने वाले वे केवल पांचवें बल्लेबाज हैं।दिनुशा की इस डिफेंसिव और स्मार्ट बल्लेबाजी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल को भी हैरान कर दिया। मैच के बाद गिल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने बेहद ठोस डिफेंसिव खेल दिखाया और बेहतरीन स्वीप शॉट्स खेले। इस मैच में मुझे नहीं लगता कि उन्होंने फील्डरों को आधा मौका भी दिया।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के फाइनल में खेलेंगे, श्रीलंका के पथिरागे से मिलेगी कड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बावजूद पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।

बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समाप्त होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। 28 वर्षीय चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

हाल में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह शत प्रतिशत फिट नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इसके बाद

उन्होंने लुसाने डायमंड लीग में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया। कूद और थ्रो स्पर्धाओं में अंक तालिका के शीर्ष छह खिलाड़ी चार-पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा प्रत्येक स्पर्धा में एक अतिरिक्त एथलीट को राष्ट्रीय या वैश्विक वाइल्डकार्ड चयन के माध्यम से भाग लेने का मौका मिल सकता है।

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा जिसमें चार सितंबर को 16 स्पर्धाएं होंगी जबकि बाकी 16 स्पर्धाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी। विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड प्लस स्पर्धाओं में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरागे 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने डायमंड लीग की पांचों भाला फेंक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया जिनमें से चार में वह विजेता रहे जबकि एक में दूसरे स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन सत्र में उनके शानदार दबदबे को दर्शाता है।

पथिरागे ने बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके 10 खिलाड़ियों के मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। यह इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था। इससे पहले उन्होंने रोम में 92.62 मीटर का थ्रो किया था। इस सत्र में अब तक 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो करने वाले दूसरे खिलाड़ी जर्मनी के जूलियन वेबर हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में बर्मिंघम में यूरोपीय चैंपियनशिप में 90.40 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन चोट के कारण वह किसी भी डायमंड लीग मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके और अब फाइनल में भी नहीं खेलेंगे।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में उन्होंने 86.93 मीटर का थ्रो किया और पथिरागे के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पथिरागे और पीटर्स दोनों ही ज्यूरिख प्रतियोगिता से पहले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वॉलकॉट भी डायमंड लीग फाइनल में खेलेंगे। वह 23 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उनके बाद अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 20 अंक के साथ चौथे और कीनिया के जूलियस येगो 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं। यह प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 8 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। नीरज चोपड़ा इस समय सातवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सचिन यादव आठवें स्थान पर हैं। हालांकि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची छह सितंबर को जारी की जाएगी।

एशियाई खेलः जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों की शुरुआत होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है। बीसीसीआई जापान में क्रिकेट सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि बोर्ड इन खेलों के लिए भारत की 'बी' टीम भेजने पर भी विचार कर रहा है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि इसी कारण बीसीसीआई एशियाई खेलों के लिए भारत की 'बी' भेजने पर विचार कर रहा है। एशियाई खेलों की शुरुआत जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से होगी। पुरुषों का क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से तीन अक्तूबर तक, जबकि महिलाओं का टूर्नामेंट 17 सितंबर से 22 सितंबर के बीच आयोजित किया जाना है।

पर्यवेक्षक भेजेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बोर्ड और एसीसी जापान में क्रिकेटरों के लिए

'बी' टीम भेजने पर हो रहा विचार; टीम में होगा बदलाव?

की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजने पर विचार कर रहा है। यदि सुविधाएं उम्मीद के मुताबिक नहीं पाई जाती हैं, तो बीसीसीआई प्रतियोगिता के लिए 'बी' टीम भेजने पर विचार कर सकता है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई और एसीसी जापान की सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजेगा। वह अपनी रिपोर्ट हमें सौंपेंगे और यदि व्यवस्थाएं ठीक नहीं हुईं, तो हम वहां बी टीम भेजने पर विचार कर सकते हैं। हमने एसीसी की एक बैठक के दौरान जापान ओलंपिक अधिकारियों से कहा था कि ड्रेसिंग रूम टेंट में बनाए गए हैं और उन टेंटों से शौचालय 500 मीटर की दूरी पर हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए असंतोषजनक स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, होटल के कमरे वाकई बहुत छोटे हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है।

भारत ने मजबूत टीम का किया था एलान

चीन के हांगझोउ में 2023 में हुए पिछले संस्करण में टीम इंडिया ने स्वर्ण पदक हासिल किया था, जहां फाइनल बारिश की वजह से धुलने के बाद बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर, बाएं हाथ के बल्लेबाजों की तिकड़ी अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा तथा स्टार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह सहित एक मजबूत लाइन-अप का एलान किया था। भारतीय महिला टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में है और इसमें कई ऐसे बड़े नाम शामिल हैं जो सीनियर स्तर पर नियमित रूप से खेलते हैं।

एशिया के खेलों के लिए भारतीय पुरुष टी20 टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और जसप्रीत बुमराह।

रुबीना दिलैक ने याद किया 'खतरों के खिलाड़ी' का सफर

टीवी की दुनिया में रुबीना दिलैक अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। छोटे पर्दे पर डांस से लेकर खतरनाक स्टंट तक, उन्होंने हर जगह अपनी क्षमता दिखाई है। इस कड़ी में उन्होंने बुधवार को अपने पुराने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया पर साझा किया है। रुबीना ने शो के दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो एक साथ शेयर किए। इनमें उनके स्टंट, दोस्तों के साथ बिताए पल और शो के दौरान उनका अलग अंदाज देखने को मिला।

रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें तस्वीरें और कुछ छोटे-छोटे क्लिप्स शामिल हैं। इस वीडियो में वह अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ वीडियो में वह शो के मुश्किल स्टंट करती नजर आती हैं। पोस्ट में उनका फैशन स्टाइल भी देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों के साथ रुबीना ने लिखा, ''हर दिन इस सवाल के साथ भरा होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन हमारे दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे।'' 'खतरों के खिलाड़ी' ऐसा रियलिटी शो है, जिसमें मनोरंजन की दुनिया से जुड़े सितारे अपने डर का सामना करते हैं। शो में कंटेस्टेंट्स को ऐसे स्टंट दिए जाते हैं, जिनमें कई बार ऊंचाई, पानी, रफ्तार और अलग-अलग तरह की मुश्किल परिस्थितियां शामिल होती हैं। हर स्टंट के दौरान कलाकारों को अपने डर पर काबू पाना पड़ता है। यही वजह है कि शो में सिर्फ शारीरिक ताकत ही नहीं, बल्कि हिम्मत और दिमाग का इस्तेमाल भी जरूरी होता है।

भारत में इस शो की शुरुआत 'फियर फैक्टर इंडिया' के नाम से हुई थी। बाद में इसे 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। शो का पहला सीजन 21 जुलाई 2008 को आया था। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ 'खतरों के खिलाड़ी : मेड इन इंडिया' भी शुरू किया गया था। शो के पिछले सीजन यानी 'खतरों के खिलाड़ी 14' की शूटिंग रोमानिया में हुई थी। इस सीजन के विजेता करणवीर मेहरा रहे थे, जबकि कृष्णा श्रॉफ रनर-अप बनी थीं। रुबीना दिलैक के करियर की बात करें तो उन्होंने टीवी पर अपनी शुरुआत 'छोटी बहू' से की थी। इस शो में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया और वह जल्द ही घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' और 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' जैसे कई शोज में काम किया।

'शक्ति' में रुबीना के किरदार को खास लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने रियलिटी शोज की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया। रुबीना ने फिल्मों में भी कदम रखा। साल 2022 में उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ फिल्म 'अर्ध' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। इसके अलावा वह होस्ट के तौर पर भी नजर आईं। उन्होंने 'द वार्ड' को होस्ट किया, जिसमें 10 गर्भवती महिलाओं के मां बनने के सफर को दिखाया गया।

फिर सायरा के किरदार में नज़र आएंगी कुब्रा सैत

शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है।

तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था।

दिल्ली की लड़की का रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट और बॉलीवुड तक सफर, ऋतिक से लेकर रणवीर की बनीं हीरोइन

एक मिडिल क्लास परिवार से आकर बॉलीवुड तक का सफर तय करना और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाना आसान नहीं है, लेकिन वाणी कपूर ने ऐसा कर दिखाया है। हालांकि, बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक वाणी कपूर के लिए यह रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। इस सफर में वाणी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

अभिनेत्री का दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शिव कपूर फर्नीचर एक्सपोर्ट के एक बिजनेसमैन हैं और मां डिंपी कपूर पेशे से एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के साथ शिक्षिका रही हैं। वाणी ने अपनी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही पूरी की है। उन्होंने दिल्ली के इग्नू विश्वविद्यालय से टूरिज्म में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान ही अभिनेत्री ने होटल मैनेजमेंट की ओर रुख किया और जयपुर के एक होटल में इंटर्नशिप करने लगीं। इसके बाद उन्होंने एक अन्य होटल में भी कुछ समय के लिए काम किया।

होटल में काम करने के दौरान उनकी जान-पहचान एक मॉडलिंग एजेंसी से हुई। उनकी लंबी हाइट और आकर्षक व्यक्तित्व को देखकर एजेंसी ने उन्हें मॉडलिंग के लिए साइन किया। अभिनेत्री के जीवन में यह एक ऐसा टर्निंग पॉइंट रहा, जहां उनके करियर ने रेस्टोरेंट से रेड कार्पेट की ओर रुख किया। शुरुआत में उन्होंने कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक करने के साथ विज्ञापनों में भी काम किया। इन कामों से उनका चेहरा पहचान में आने लगा और फिर उन्होंने वर्ष 2013 में यशराज फिल्म्स की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। अपनी पहली फिल्म में कमाल के प्रदर्शन के बलबूते अभिनेत्री ने बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार हासिल किया। डेब्यू फिल्म के बाद उन्होंने ऋतिक रोशन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इंडस्ट्री के कई प्रमुख कलाकारों के साथ काम किया। उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों की बात करें तो उनमें 'बेफिक्रे', 'वॉर', 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'बेल बॉटम', 'रेड 2' और 'शमशेर' आदि शामिल हैं।

आदित्य रॉय कपूर की प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री बोर्से और बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, डायरेक्टर मिलाप जवेरी की आगामी फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट पर आधारित यह खबर पिछले दिनों खूब चर्चा में रही। लेकिन अब नया अपडेट इस बारे में सामने आया है। इस फिल्म को लेकर टी-सीरीज प्रोड्यूस कर रहा है। टी-सीरीज के एक प्रवक्ता ने कहा, 'आदित्य रॉय कपूर के साथ टी-सीरीज और मिलाप जवेरी एक फिल्म बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत हैं। प्रोडक्शन हाउस जल्द ही अभिनेत्री के नाम का आधिकारिक घोषणा करेगा।'

भाग्यश्री बोर्से तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अभिनय करती हैं। वह बॉलीवुड में 'यारियां 2' और 'चंदू चैंपियन' में छोटे लेकिन अहम किरदार निभा चुकी हैं। वहीं फिल्म विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' का भी वह हिस्सा रही हैं। वह एक तमिल फिल्म 'सियोन' भी कर रही हैं।

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने शनिवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'। करीना ने अपने अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी भी जोड़े। करीना से पहले उनकी ननद और सैफ की बहन सबा पटौदी ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज करते हुए दावा किया था कि विवादित तस्वीर, जिसमें बेबो को फूले हुए पेट के साथ देखा जा सकता है, एक खराब कैमरा एंगल का परिणाम थी।

रसिका ने बताया बड़े पर्दे पर कितना बदलेगा 'मिर्जापुर' का अनुभव

बातचीत में रसिका ने बताया कि इतने वर्षों तक इस किरदार को निभाने के बाद जब वह फिर बीना बनीं, तो उन्हें इसमें कुछ नया भी देखने को मिला।

'जैसे किसी पुराने किरदार में दोबारा जाना'

रसिका कहती हैं, 'मेरे लिए बीना में वापस जाना ऐसा था जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के दिमाग में दोबारा जाना, जिसके साथ मैं कई वर्षों से रह रही हूं। आप किसी किरदार के साथ इतने लंबे समय तक रहते हैं तो उसके बारे में बहुत कुछ आपके भीतर जमा हो जाता है। लेकिन फिर भी जब आप उसे दोबारा निभाते हैं तो उसके कुछ नए पहलू सामने आते हैं। इस बार भी मेरे लिए ऐसा ही था।'

बीना की ताकत उसके अधिकार हैं

बीना को लेकर वह कहती हैं, 'वह हमेशा से समझती रही है कि ताकत सिर्फ शारीरिक शक्ति या अधिकार से नहीं आती। धैर्य, समझदारी, सही समय का इंतजार करने की क्षमता भी ताकत है। सबसे जरूरी बात यह है कि वह जानती है कि उसे खुद को कैसे बचाए रखना है। ये चीजें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं।'

फिल्म में कहानी के साथ किरदारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर रसिका कहती हैं, 'फिल्म में दांव पहले से बड़े हैं। हर किरदार को ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जिनके नतीजे भी पहले से कहीं ज्यादा दूर तक जाते हैं। इस दुनिया की खास बात यह है कि बड़े पैमाने पर होने के बावजूद यह अपने किरदारों के इमोशंस से जुड़ी रहती है। मुझे लगता है कि मेरा किरदार ही इस पूरी कहानी को और दिलचस्प बनाता है।'

सिर्फ एक्शन नहीं, ड्रामा भी गहरा

'मिर्जापुर' के सीरीज से फिल्म तक जाने के सफर पर पर रसिका कहती हैं, 'सिनेमा में चीजों को और आगे ले जाने की गुंजाइश होती है। इस फिल्म में एक्शन बड़ा है, लेकिन मेरे लिए सिर्फ एक्शन का बड़ा होना ही महत्वपूर्ण नहीं है। ड्रामा ज्यादा तीखा है, किरदारों के बीच के टकराव ज्यादा गहरे हैं और बदले की भावना भी कहानी में एक अलग स्तर पर पहुंचती है। जब आप इन किरदारों को बड़े पर्दे पर देखते हैं तो हर चीज ज्यादा करीब और ज्यादा प्रभावशाली महसूस होती है।'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-चीन में 1500 के करीब लोग लापता, इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल, मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता है। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके यहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

पुजारी ने बुरी आत्मा के अनुष्ठान के नाम पर महिला से किया उत्पीड़न, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू पुजारी को कनाडा में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने ओंटारियो के ओशावा में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अपने धार्मिक पद का दुरुपयोग किया। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को एक परिवार ने अमेरिका से बुलाकर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा था। डरहम क्षेत्रीय पुलिस के बयान के अनुसार, पूर्वी डिवीजन के सदस्यों ने मंगलवार, 25 अगस्त को हारमनी रोड नॉर्थ और कॉनलिन रोड ईस्ट के इलाके में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार ने एक पुजारी को धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए बुलाया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला को यह विश्वास दिलाया कि उस पर बुरी आत्मा का साया है और उसे ठीक होने के लिए एक निजी अनुष्ठान की आवश्यकता है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद वह पीड़िता को एक निजी स्थान पर ले गया, जहां कथित तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करने के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। बाद में पुलिस से संपर्क किया गया और बिना किसी घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान राजेंद्रनाथ दूदनाथ माराज (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क का निवासी है। उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में लिया गया है। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि उन्हें आशंका है कि अन्य पीड़ित भी हो सकते हैं। उन्होंने जांच के तहत आरोपी की तस्वीर जारी की है। पुलिस घटना या आरोपी से जुड़ी इसी तरह की अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से पूर्वी डिवीजन आपराधिक जांच शाखा के डी/कॉन्स्टेबल क्रोनिन से 1-888-579-1520, एक्सटेंशन 1605 पर संपर्क करने का अनुरोध कर रही है। गुमनाम सूचनाएं डरहम रीजनल क्राइम स्टॉपर्स को 1-800-222-(8477) पर कॉल करके या उनकी वेबसाइट के माध्यम से भी दी जा सकती है। सूचना देने वालों को नकद इनाम भी मिल सकता है।

अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, पश्चिम एशिया में था तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने-पीने व साफ-सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है। मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा। कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हुआ, लापता लोगों में 476 विदेशी नागरिक शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को आई भयंकर त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 150 के पार पहुंच गया है। तिब्बत सीमा पर अचानक आई बाढ़ अपने रास्ते में सबकुछ बहाकर ले गई। इस बाढ़ में कई पुल, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। एक हजार के करीब लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और इनमें 133 भारतीय भी शामिल हैं।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ : नेपाल में बुधवार को आई त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हो गया है। नेपाल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सैकड़ों लोग लापता हैं, जिनमें 28 देशों के 476 विदेशी नागरिक शामिल हैं। नेपाल सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि लापता लोगों में नेपाली सेना के 44, नेपाली पुलिस के 28 और नेपाल सशस्त्र बलों के 13 जवान भी लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने कहा है कि लापता लोगों में 579 पर्यटक हैं।

नेपाल बाढ़ पर दुनियाभर के नेताओं ने जताया शोक, हर संभव मदद को लेकर दिखाई एकजुटता नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 162 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि सुरक्षाकर्मियों और पर्यटकों समेत सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। इस त्रासदी को लेकर दुनियाभर के नेताओं ने दुख जताते हुए नेपाल और पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता जाहिर की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने

त्रासदी को लेकर गहरा दुख जताते हुए यूरोप की ओर से अधिक से अधिक सहायता की बात कही।

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष ने जताया दुख : अध्यक्ष उर्सुला वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, %नेपाल और चीन में आई विनाशकारी बाढ़ ने कई समुदायों को बुरी तरह प्रभावित किया है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, खासकर उन परिवारों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या जो अब भी उनके बारे में किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। हम उन बहादुर राहत और बचाव कर्मियों को भी याद कर रहे हैं जो कठिन परिस्थितियों में लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में प्रभावित इलाकों का नक्शा तैयार करने और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों में सहायता देने के लिए कोपरनिकस प्रणाली को सक्रिय किया गया है। यूरोपीय संघ जरूरत पड़ने पर और अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले- राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर रहे : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में कहा, नेपाल और चीन में आई भीषण बाढ़ से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, कई लोग लापता हैं और बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी पूरी एकजुटता और सहानुभूति है। नेपाल में संयुक्त राष्ट्र सरकार के नेतृत्व में चलाए जा रहे राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की टीमें और मानवीय सहायता से जुड़े साझेदार संगठन बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद के लिए राहत सामग्री और कर्मियों को तेजी से जुटा रहे हैं। नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन ने भी इस आपदा पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हम गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं, जो लोग अपने परिवार या करीबी लोगों की खबर का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें हम हिम्मत और शक्ति की कामना करते हैं। हम कठिन परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्य कर रहे नेपाली अधिकारियों और आपदा राहतकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जिसमें प्रभावित क्षेत्र में मौजूद डच नागरिकों की स्थिति भी शामिल है।

जापान की प्रधानमंत्री ने भी संवेदनाएं जाहिर कीं : वहीं, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भी नेपाल बाढ़ त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। तकाइची ने एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल में आई व्यापक बाढ़ के मद्देनजर, मैं नेपाल सरकार और नेपाल की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पांच जापानी नागरिक लापता हैं।

संघ प्रमुख के अमेरिका में कार्यक्रम को लेकर अलर्ट, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने चेतावनी क्यों जारी की

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका दौरे पर हैं। उनका यह दौरा शुरुआत से ही चर्चाओं में बना हुआ है। अब अमेरिका के एक गैर लाभकारी हिंदू संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में हिंदू समुदाय के लोगों से मोहन भागवत के मैडिसन स्कवायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना साल 2003 में हुई थी। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के हितों का ध्यान रखता है।

मोहन भागवत के कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा- सामुदायिक परामर्श! हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले सार्वभौमिक एकता समारोह से पहले यह सुरक्षा चेतावनी जारी कर रहा है। सतर्क रहें, हालात से अवगत रहें और शालीनता बनाए रखें।

संगठन ने कहा, हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले लोगों ने समारोह को बाधित करने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन

करें और सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दें।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की यह चेतावनी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी मानवाधिकार निकाय, यूएससीआईआरएफ ने संघ प्रमुख के अमेरिका दौरे का विरोध किया है। पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक आसिफ महमूद की अध्यक्षता वाले यूएससीआईआरएफ ने कहा है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति बिगड़ रही है और इस निकाय ने अमेरिका से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर विचार करने को कहा है।

हालांकि विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त को एक ब्रीफिंग में यूएससीआईआरएफ के बयान की कड़ी निंदा की थी और यूएससीआईआरएफ की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि यूएससीआईआरएफ एक पक्षपाती संस्था है और यह वर्षों से भारत के बारे में गलत और भड़काऊ बयान देती रही है।

पाकिस्तान में 200 साल पुराना गुरुद्वारा गिराया, सिखों की विरासत की जा रही खत्म

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक 'श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा' को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के अनुसार, पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं।

गुरुद्वारे को गिराए जाने पर भारत में भी कड़ा विरोध हो रहा है। भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने कहा कि ये पाकिस्तान में सिखों की विरासत खत्म करने की कोशिश है। अकाल तख्त साहिब को पाकिस्तान सरकार के सामने मामला उठाना चाहिए और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। क्वेटा के आर्चर रोड स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा परिसर में बाद में सेंट गैब्रिएल स्कूल संचालित हो रहा था। सिख समुदाय के नेता सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक, अब उसी गुरुद्वारे को ढहाकर यहां शॉपिंग प्लाजा का निर्माण कराया जा रहा है। मामला बलूचिस्तान हाई कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने फिलहाल निर्माण रोकने से इनकार कर दिया है।

निजी बिल्डर को जमीन बेची गई

सिख समुदाय के मुताबिक, यह जमीन श्री गुरु सिंह सभा से जुड़ी संपत्ति थी। आरोप है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इसे एक निजी बिल्डर को बेच दिया। अब सवाल उठ रहा है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड को इस धार्मिक संपत्ति को बेचने का अधिकार किस आधार पर मिला और जमीन की बिक्री की प्रक्रिया क्या थी? इस पर पाकिस्तान सरकार या इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की ओर से आधिकारिक जवाब सामने आना बाकी है।

कैलाश यात्रा का लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर बना मौत का फंदा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे कैलाश मानसरोवर के सैकड़ों तीर्थयात्री बाढ़ की चपेट में आ गए हैं या लापता हो गए हैं। ये तीर्थयात्री एक निजी, लेकिन अत्यधिक लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर का उपयोग कर रहे थे, जो अब जानलेवा साबित हुआ है। बाढ़ के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सैकड़ों लोगों का कोई पता नहीं है। इसमें बड़ी संख्या में वे पर्यटक और तीर्थयात्री शामिल हैं जो रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) सीमा पर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने या वहां से लौटने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते दो मुख्य निजी मार्ग हैं रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) और हिल्सा (हुमला/सिमिकोट)। इनमें से रसुवा मार्ग उसकी कम लागत के कारण तीर्थयात्रियों के बीच खासा लोकप्रिय है। रिपोर्टों के अनुसार, इस साल 13,500 से अधिक तीर्थयात्रियों ने इस मार्ग को चुना है, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय प्रतिवर्ष उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। ये यात्राएं 20-22 दिनों तक चलती हैं और इनकी लागत लगभग 2 लाख रुपये आती है। लॉटरी प्रणाली से केवल लगभग 1,000 तीर्थयात्रियों का चयन होता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग वैकल्पिक मार्गों की तलाश करते हैं।

इसकारण कई भारतीय और विदेशी नागरिक नेपाल के निजी टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा का कार्यक्रम बनाते हैं। नेपाली ऑपरेटर तिब्बत में प्रवेश के लिए ग्रुप वीजा प्राप्त करते हैं। रसुवा मार्ग काठमांडू से शुरू होकर 5-6 घंटे में रसुवागढ़ी बॉर्डर पहुंचाता है, जहां से तिब्बत में प्रवेश कर दारचेन (कैलाश यात्रा का बेस) जाया जाता है। यह जमीनी मार्ग लगभग 14-15 दिनों में यात्रा पूरी कराता है, और इसका खर्च आधिकारिक मार्ग से काफी कम होता है। यह विशेष रूप से विदेशों में रहने वाले भारतीयों, नेपाली नागरिकों और अन्य देशों के तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, रसुवागढ़ी चेकप्वाइंट से तिब्बत में दाखिल होने वाले धार्मिक सैलानियों की संख्या में 18.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि दूसरा निजी मार्ग, हिल्सा, मुख्य रूप से हवाई मार्ग है जिसमें हेलीकॉप्टर का उपयोग होता है। यह मार्ग महंगा (लगभग 3 लाख रुपये या उससे अधिक) होने के बावजूद 5 से 11 दिन में यात्रा पूरी कराता है। हालांकि, रसुवा मार्ग की लोकप्रियता ने इस आपदा का केंद्र बना दिया है।

अमेरिकी सेना का प्लान: पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर, खर्च होंगे 2.2 अरब डॉलर; क्या है मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है। अमेरिका

में अभी कोई भी परमाणु माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे। उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है। इन रिएक्टरों को कई साल तक दोबारा ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने कहा कि इन परियोजनाओं से सैन्य ठिकानों तक सुरक्षित और भरोसेमंद लगातार बिजली पहुंचाने की क्षमता तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेना ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बना रही है, जिससे दुनियाभर में सैन्य ताकत इस्तेमाल करने के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सके। इसके लिए कमजोर पड़ सकने वाले बाहरी बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ये अनुदान सेना के जेनस प्रोग्राम का हिस्सा हैं। यह कार्यक्रम पिछले साल अगली पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए शुरू किया गया था। अधिकारी चाहते हैं कि परमाणु तकनीक का विकास तेजी से आगे बढ़े। उन्नत रिएक्टरों के डिजाइन केवल प्रयोग और शुरुआती मॉडल तक सीमित न रहें। वे कई वर्षों तक बिजली देने में सक्षम हों। सेना के प्रतिष्ठानों, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के प्रधान उप सहायक सचिव जेफ वैक्समैन ने इसे इस दिशा में सबसे आगे की नोक बताया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि सेना इसी बदलाव को लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने साफ किया कि ये डिजाइन केवल अमेरिकी सेना के लिए नहीं बनाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि नए परमाणु रिएक्टर बहुत महंगे हैं।

बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही, 150+ लोगों की मौत; 750 से ज्यादा अभी भी लापता, यूपी-बिहार में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में तिब्बत से अचानक आई भीषण बाढ़ ने कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। नेपाल पुलिस के अनुसार, बाढ़ में 157 लोगों की मौत हो गई है और 750 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 133 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बाढ़ से कई महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद को बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8ः37 बजे तिब्बत क्षेत्र में भूकंप आया था। इसके तीन मिनट बाद अचानक बाढ़ की सूचना मिली। इससे आशंका है कि भूकंप के झटकों से ग्लेशियर से अचानक पानी निकलने की घटना हुई, जिससे बाढ़ आई।

नेपाल में बाढ़ से यूपी-बिहार में अलर्ट : नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज और कुशीनगर समेत बिहार के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है। बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी तक पहुंचने और वहां जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज होने के बाद बिहार और यूपी सरकार ने गंडक और नारायणी नदी से जुड़े जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है।

विदेश मंत्रालय लगातार नेपाल सरकार के संपर्क में है। बिहार के पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर समेत गंडक के तटवर्ती इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। लोगों से नदी से दूर रहने, निचले इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। राज्य के बाढ़ निगरानी तंत्र के मुताबिक पूर्वी चंपारण के डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि रेवा घाट पर नदी चेतावनी स्तर पार कर चुकी है।

एनडीआरएफ की 20 टीमें की गई तैनात : नेपाल से आने वाले अतिरिक्त पानी को देखते हुए अगले कुछ घंटों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जल संसाधन विभाग को तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए कहा गया है। स्थिति का आकलन करने के बाद, पश्चिमी चंपारण और मुजफ्फरपुर में तैनाती के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी गई हैं। बिहार में कुल नौ टीमें तैनात हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। कुशीनगर जिले में एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त टीम तैनात की गई है, जिसके गंडक नदी के करीब होने के कारण प्रभावित होने की संभावना है। बाढ़ की चेतावनी और बचाव कार्यों के लिए यूपी में कुल 11 टीमें तैनात हैं।

नेपाल में कैसे बाढ़ ने मचाई तबाही : अधिकारियों के अनुसार, भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, चट्टान खिसकने और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बहने वाली ल्हेंदे नदी में पानी बढ़ने के कारण रसुवा जिले के सीमावर्ती शहर टिमुरे में भोटे कोशी नदी के रास्ते बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी में पहुंचा। इसके बाद बाढ़ नदी के रास्ते नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहूं और नवलपरासी पूर्व जैसे अन्य जिलों तक फैल गई। ये इलाके काठमांडू से करीब 70 किलोमीटर से लेकर लगभग 200 किलोमीटर तक की दूरी पर हैं। नेपाल सरकार ने बताया कि करीब 750 लोग लापता हैं। वहीं, चीन के सरकारी समाचार चैनल सीजीटीएन के अनुसार, सीमा के चीनी हिस्से में तीन लोगों की मौत हुई है।

नेपाल में तबाही के एक दिन बाद सामने आया बड़ा खतरा, 47 ग्लेशियल झीलें बन सकती हैं बाढ़ की वजह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 47 ग्लेशियल झीलों को संभावित रूप से खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार, इन झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (तस्र्ड्ढद्घ) यानी अचानक आने वाली विनाशकारी बाढ़ का खतरा है। ऐसी बाढ़ नेपाल की प्रमुख नदी घाटियों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा सकती है। यह आकलन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार की ओर से किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों में सामने आया है।

21 झीलें नेपाल में, 25 तिब्बत में : आकलन में शामिल 47 संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलों में 21 नेपाल में और 25 तिब्बत में स्थित हैं। ये झीलें उन ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हैं जहां से नेपाल की ओर बहने वाली नदियों का उद्गम होता है। यही वजह है कि अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो उसका पानी तेजी से नीचे की ओर बहते हुए नदी घाटियों में बसे गांवों और शहरों तक पहुंच सकता है। ग्लेशियल झीलों का खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इनमें से कई झीलें ग्लेशियरों के पीछे जमा पानी से बनी हैं और उनके किनारे कमजोर मिट्टी, बर्फ और चट्टानों से बने बांध जैसे प्राकृतिक अवरोधों से घिरे हैं। ऐसे अवरोध टूटने पर बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में पानी नीचे आ सकता है।

कुछ झीलों पर तत्काल ध्यान की जरूरत : आपदा प्रबंधन अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तेजी से फैल रही और प्राकृतिक मलबे से बने कमजोर बांधों के पीछे स्थित कुछ झीलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना है। इनमें लोअर बरुण (तल्लोपोखरी), थुलागी (डोना), लुमडिंग त्शो, होंगू-2/चामलांग साउथ, त्शो रोल्पा और इम्जा त्शो प्रमुख हैं। इन झीलों के पानी का स्तर और आकार बढ़ने से इनके अचानक टूटने की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए इन पर पानी का स्तर कम करने और खतरा घटाने के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई गई है।

पूर्वी और मध्य नेपाल में ज्यादा खतरा : खतरा नेपाल के कई जिलों में फैला हुआ है। खास तौर पर कोशी और बागमती नदी बेसिन के इलाकों में स्थिति चिंताजनक है। इन क्षेत्रों में कुल क्षेत्रीय जोखिम का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संवेदनशील इलाकों में केंद्रित है। सोलुखुम्बु जिला दुध कोशी और इम्जा नदी घाटियों के कारण संवेदनशील है। यहां इम्जा झील से संभावित बाढ़ का खतरा है। संखुवासभा में बरुण और अरुण नदी घाटियों के आसपास के क्षेत्र खतरे में हैं। इसी तरह दोलखा में तामा कोशी नदी घाटी त्शो रोल्पा झील के संभावित प्रभाव क्षेत्र में आती है।

सिंधुपालचोक जिला भी काफी संवेदनशील है। यहां भोटे कोशी और सुन कोशी नदी घाटियों में तिब्बत की ओर स्थित ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ का असर पड़ सकता है। इसके अलावा रामेछाप, काभ्रेपलांचोक और रसुवा के नदी किनारे बसे इलाकों पर भी खतरा है। खासकर त्रिशूली नदी बेसिन के आसपास के क्षेत्रों को संवेदनशील माना गया है।

पश्चिमी नेपाल में भी कई इलाके हो सकते हैं प्रभावित : नेपाल के पश्चिमी और सुदूर-पश्चिमी हिस्सों में गंडकी और कर्णाली नदी बेसिन के कई इलाके ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। मनांग और लमजुंग जिले थुलागी झील के नीचे स्थित मार्स्यांगदी नदी घाटी में हैं। इसलिए यहां अचानक आने वाली बाढ़ का सीधा असर पड़ सकता है। गोरखा में बूढ़ी गंडकी नदी घाटी, जबकि मुस्तांग और म्याग्दी में काली गंडकी नदी घाटी संवेदनशील है। दूर-दराज के हुम्ला जिले में भी खतरा है। खासकर लिमी घाटी और हुम्ला कर्णाली नदी गलियारे में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे पर संभावित तस्र्ड्ढद्घ का असर पड़ सकता है।

सिर्फ बाढ़ नहीं, बिजली परियोजनाओं के लिए भी खतरा : ग्लेशियल झीलों के फटने से सिर्फ नदी किनारे रहने वाली आबादी प्रभावित नहीं होगी। तेज बहाव के साथ आने वाला पानी, बर्फ, चट्टान और मलबा रास्ते में आने वाली सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पश्चिमी नेपाल की कई नदी घाटियों में जलविद्युत परियोजनाएं भी स्थित हैं। ऐसे में बड़ी तस्र्ड्ढद्घ घटना से बिजली उत्पादन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन झीलों की लगातार निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और जरूरत पड़ने पर झीलों का जलस्तर कम करने जैसे उपायों से संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.